दैनिक पंचांग

सूर्योदयः 06:12 ए एम
सूर्यास्तः 06:39 पी एम
तिथिः द्वादशी - 04:19 ए एम, अप्रैल 02 तक
नक्षत्रः अश्लेशा - 04:48 ए एम, अप्रैल 02 तक
योगः धृति - 02:45 ए एम, अप्रैल 02 तक
करणः वणिज - 03:10 पी एम तक
द्वितीय करणः विष्टि - 04:19 ए एम
पक्षः शुक्ल पक्ष
वारः रविवार

Digital Edition

हिन्दी दैनिक

झारखण्ड देखो

खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

www.jharkhanddekho.com • वर्ष 3 • अंक 93 • पृष्ठ 8 • दुमका, रविवार 2 अप्रैल 2023 • मूल्य 2 रुपये Email - Jharkhanddekho@gmail.com | epaper - Jharkhanddekho.com

बिहारशरीफ में फिर बिगड़े हालात, दो गुटों के बीच फायरिंग और झड़प, कई घायल

पटना/एजेंसी।

रामनवमी के मौके पर निकाली गई शोभायात्रा के दौरान बिहारशरीफ में दो गुटों के बीच झड़प की खबर आई थी. हालांकि बाद में प्रशासन की तरफ से जारी एक बयान में कहा गया था कि हालात अब नियंत्रण में हैं. लेकिन शनिवार को एक बार फिर बिहारशरीफ में दो गुटों के बीच झड़प की खबर आ रही है. इस झड़प के दौरान कई राउंड की फायरिंग किए जाने की बात भी निकल कर आई है. फायरिंग में कई लोग घायल हुए हैं. घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल में लाया गया है. मिल रही जानकारी के अनुसार घटनास्थल पर पुलिस की टीम मौजूद है, और वो हर स्थिति पर नजर बनाए हुए है.

पुलिस सूत्रों से मिल रही जानकारी के अनुसार शनिवार को भी पुलिस पहले से ही सतर्क थी. पुलिस के पास इनपुट था कि कुछ ऐसा हो सकता है. उसके बावजूद भी कई इलाकों में झड़प की खबर आई. पुलिस के अनुसार इस घटना में कई लोगों के घायल होने की सूचना है. जिनका इलाज फिलहाल सदर अस्पताल में कराया जा रहा है. पुलिस के अनुसार कुछ लोगों को गोली भी लगी है. इनमें से कुछ लोगों की हालत ज्यादा गंभीर है. इलाके में हालात और ना बिगड़े इसके लिए पुलिस प्रशासन द्वारा तमाम इंतजाम किए जा रहे हैं. गौरतलब है कि रामनवमी पर्व पर पश्चिम बंगाल और गुजरात में हुई हिंसा के बाद बिहार के सासाराम में भी साम्प्रदायिक तनाव की खबर आई थी.

अशांति के कारण गृह मंत्री का दौरा रद्द

गृह मंत्री अमित शाह के सासाराम दौरे के मद्देनजर हालात पर काबू पाने का प्रयास तेज बताया जा रहा था। लेकिन, कार्यक्रम स्थल के आसपास धारा 144 लागू रहने और स्थिति तनावपूर्ण रहने के कारण शाह का दौरा रद्द कर दिया गया है। ताजा हालत यह है कि कादिरगंज, मुबारकगंज, चौखंडी नवरत्न बाजार में दुकानों के साथ घरों के दरवाजे भी बंद हैं। इसके बावजूद शनिवार को भी 10 मिनट के लिए पथराव की सूचना आई। इसमें किसी के घायल होने की जानकारी नहीं मिली है। लेकिन, यह घटना बता रही है कि तनाव अब भी है। पुलिस स्थिति को नियंत्रित करने के लिए इलाके को छावनी के रूप में बदल चुकी है। सड़क पर रातम में गश्ती चलती रही और सुबह भी वही हालात हैं। एक दर्जन से अधिक लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। दो लोगों पर केस दर्ज हुआ है। धारा 144 लागू रहने की जानकारी पुलिस माइक के जरिए दे रही है। इंटरनेट सेवा ठप रखकर अफवाहों को रोकने का प्रयास जारी है। पुलिस शांति समिति की बैठक की तैयारी में लगी है।

'जरूर किसी ने जानबूझकर गड़बड़ किया है, सख्त कार्रवाई करेंगे..': नीतीश कुमार

पटना/एजेंसी।

रामनवमी के अवसर पर बिहार के सासाराम और नालंदा के जिला मुख्यालय बिहारशरीफ में भड़की साम्प्रदायिक हिंसा को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश ने किसी की 'साजिश' बताई है. शनिवार को घटना के संबंध में प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से कहा कि ऐसी घटनाएं काफी दुखद हैं. ऐसा कभी नहीं होता था. ये नैचुरल नहीं है, जरूर किसी ने गड़बड़ी की है. ऐसे में हमने पूरी तरह से जांच करने के आदेश दे दिए हैं, दोषियों पर सख्त कार्रवाई होगी. मुख्यमंत्री ने कहा, ₹ऐसी घटनाओं से तकलीफ होती है. पहले तो कभी ऐसा नहीं होता था. बड़ी शांति से हमलोग हर त्योहार मनाते आए हैं. लेकिन अब पता नहीं ऐसी घटनाएं क्यों हो रही हैं.

संक्षिप्त समाचार

क्रांति का नाम है राहुल गांधीः सिद्धू

पटियाला/एजेंसी। रोड रेज मामले में सजा काटने के बाद कांग्रेस नेता नवजोत सिंह सिद्धू पटियाला जेल से बाहर आ गए हैं। जेल से छूटते ही सिद्धू जोश में नजर आए। उन्होंने राहुल गांधी को क्रांति बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब में राष्ट्रपति शासन लागू करने की साजिश रची जा रही है। 3 दशक पुराने रोड रेज मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सिद्धू को 1 साल की सजा सुनाई थी। नवजोत सिंह सिद्धू ने जेल से बाहर आते ही कहा, 'इतनी खौफजदा है सरकार कि वह सच सुनना नहीं चाहती। अब मेरी बात सुनें जब भी इस देश में तानाशाही आई, एक क्रांति आई। और आज मैं छाती ठोंक कर कहता हूं कि उस क्रांति का नाम है राहुल गांधी और वह सरकार की जड़ें हिला देंगे।' पिछले दिनों मानहानि केस में 2 साल की सजा मिलने के बाद राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता छीन ली गई।

बिजनेस

बीएसई सेंसेक्स

58,991.52+1,031.43 (1.78%)

निफ्टी

17,359.75+279.05 (1.63%)

पीएम मोदी ने दिखाई देश की 11वीं वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी

भोपाल/एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को भोपाल के रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पर भोपाल से दिल्ली के लिए देश की 11वीं वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाई. यह मध्य प्रदेश में पहली वंदे भारत ट्रेन है. पीएम मोदी सुबह करीब साढ़े 9 बजे एयरफोर्स के विशेष विमान से भोपाल पहुंचे. स्टेट हैंगर पर राज्यपाल एवं सीएम शिवराज सिंह चौहान ने उनकी अगवानी की.

यहां से पीएम मोदी सेना के हेलिकॉप्टर से लाल परेड ग्रा-उंड गए, जहां उनका राज्य के मंत्रियों ने अभिनंदन किया. यहां से पीएम मोदी कार के जरिये संयुक्त कमांडर कांफ्रेंस में हिस्सा लेने के लिए कुशाभाऊ ठाकरे सभागार पहुंचे. पीएम मोदी इस कांफ्रेंस में करीब 5 घंटे तक रहेंगे. तीन दिवसीय संयुक्त कमांडर कांफ्रेंस का आज अंतिम दिन है.

कांफ्रेंस के बाद पीएम मोदी मध्य प्रदेश की पहली वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाई. बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा में 5 हजार से ज्यादा सुरक्षाकर्मी और अफसर तैनात हैं. पीएम मोदी के दौरे को लेकर पूरे शहर में कड़ी सुरक्षा की व्यवस्था की गई है. कमांडर कांफ्रेस पहली बार दिल्ली के बाहर भोपाल में हो रही है. भारत की तीनों सेनाओं के संयुक्त कार्यक्रम में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और तीनों सेनाओं के प्रमुख और सीडीएस भी प्रमुख रूप से शामिल हो रहे हैं.

पीएम मोदी ने कहा, रेलवे के इतिहास में बहुत कम हुआ होगा कि एक ही स्टेशन पर कि-सी प्रधानमंत्री का दोबारा आना हुआ होगा। लेकिन आधुनिक भारत में नई व्यवस्थाएं बन रही हैं। नई परंपराएं बन रही हैं। आज का कार्यक्रम इसका ही उत्तम उदाहरण है। अभी यहां मैंने जो यात्री के रूप में स्कूल के बच्चे जा रहे थे, उनके साथ संवाद किया। उनके भीतर ट्रेन को लेकर जो उमंग और उत्साह था, वह देखने लायक थी। एक तरह से वंदे भारत ट्रेन उमंग का प्रतीक है। मुझे बताया गया कि 1 अप्रैल को कार्यक्रम है। मैंने कहा क्यों रख रहे हो।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने संजय राउत को दी धमकी

मुंबई/एजेंसी।

शिवसेना नेता संजय राउत को लॉरेंस बिश्नोई गैंग द्वारा जान से मारने की धमकी दी गई है। जिसके बाद संजय राउत ने पुलिस से इसकी शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। बता दें कि लॉरेंस बिश्नोई गैंग बॉलीवुड स्टार सलमान खान को भी जान से मारने की धमकी दे चुका है। साथ ही पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या के मामले में भी लॉरेंस बिश्नोई गैंग पर आरोप लगे हैं। पुलिस ने बताया कि शिवसेना (उद्धव ठाकरे) नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत को धमकी भरा संदेश मिला है। जिसमें लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने संजय राउत को धमकी दी है कि सिद्धू मूसेवाला गैंग की तरह ही उनकी हत्या कर दी जाएगी।

Dipendra Singh
9335448671

R.K. Choudhary
8384831556

RK marbles & tiles

मार्बल & ग्रेनाइट
राजस्थान वाले

रेलवे स्टेशन के सामने, रिंग रोड, दुमका (झारखंड)

संक्षिप्त समाचार

4 लाख 41 हजार में एक वर्ष के लिए हुई प्रोजेनी नर्सरी शिलांदा की नीलामी

दुमका । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) । जामा प्रखंड क्षेत्र के आसनजोर पंचायत अंतर्गत सिलान्दा गांव स्थित प्रोजेनी नर्सरी की आज शनिवार को जिला उद्यान पदाधिकारी एवं उपस्थित ब्यापारियों के सामने बंद लिफाफे खोल नीलामी प्रकिया जिला कार्यालय में पूरी की गई ।जिसमें पोड़ैयाहाट के रहने वाले श्रीकांत मंडल ने चार लाख 41 हजार की राशि से एक वर्ष के लिए नर्सरी अपने नाम की। वहीं दुमका के वेद प्रकाश 4,16,100 की बोली लगाई थी जो दुसरे स्थान पर रहे एवं तीसरे स्थान पर दुमका डंगाल पाड़ा के मोहम्मद नसीम रहे जिन्होंने 4,15,500 की बोली लगाई थी। सिलान्दा नर्सरी में नीलामी प्रक्रिया के तहत तीन ही ब्यापारियों ने बंद लिफाफा में बोली लगाई थी। प्रोजेनी नर्सरी सिलांदा में एक वर्ष के लिए 450 आम पेड़ एवं 50 लीची फलों के पेड़ के लिए न्यूनतम नीलामी की राशि 415000 एवं जमानत की राशि 50,000 निर्धारित की गई थी।बताते चलें कि इसके पूर्व नीलामी प्रक्रिया आयोजित की गई लेकिन न्यूनतम बोली कि राशि 4 लाख 35 हजार रखे जाने से नाराज होकर ब्यापारियों ने नीलामी प्रक्रिया में भाग लेने से इंकार कर दिया था।इस कारण डाक रद्द कर दिया गया था। इस मौके पर जिला उद्यान पदाधिकारी गौतम कुमार, जिला उद्यान केंद्र लिपिक मनोहर प्रसाद यादव,नर्सरी प्रभारी राज नंदन सिंह, सुमन कुमार सहित नीलामी में भाग लेने वाले व्यापारी मौजूद थे।

कोविड-19 के बढ़ते खतरे को देखते हुए सीएचसी जामा में किया गया मॉक ड्रिल

दुमका । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) । सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जामा में शनिवार को जामा बीडीओ सिद्धार्थ शंकर यादव एवं प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ शशिधर मिश्रा के संयुक्त नेतृत्व में कोविड- 19 के बढ़ते संक्रमण की रोकथाम व तैयारियों को लेकर मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया।

बताया कि अन्य देशों में एवं देश के महानगरों में कोविड-19 के बढ़ती मरीजों के संख्या और महामारी के खतरे को देखते हुए स्वास्थ्य कर्मियों एवं चिकित्सकों के साथ मॉक ड्रिल किया गया और आगामी खतरे को भांपते हुए सभी पदाधिकारियों और कर्मियों को संक्रमण की रोकथाम की तैयारी में लग जाने का निर्देश दिया गया।जिसमें चिकित्सा पदाधिकारी डॉ संजय महतो,प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक अनूप कुमार साह सहित स्वास्थ्य कर्मी अजितेश राय,सुमित कुमार, मयंक उपाध्याय,अरुण कुमार राउत,भजन सोरेन,मंजू कुमारी,एएनएम संगीता कुमारी, लक्ष्मी रानी पंडित,सुप्रिया दत्ता, फार्मासिस्ट सुकन्या कुमारी,सहिया रुक्मणि देवी आदि शामिल हुए।

क्रिकेट प्रतियोगिता को लेकर बैठक आयोजित

दुमका । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) । आगामी क्रिकेट प्रतियोगिता को देखते हुए सिदो कान्हु उच्च विद्यालय मे एक बैठक का आयोजन किया गया ।इस बैठक में प्रतियोगिता को सफल बनाने को ले कर विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुयी। बैठक में विभिन्न ज़िलों के टीमों के भाग लेने के बात पर भी सहमति बनी।अध्यक्ष रवि यादव ने बताया की बाहर से आये टीम के रहने की व्यवस्था की जायेगी।इस बैठक में गुरुजी स्पोर्ट्स अकादमी के अध्यक्ष रवि यादव, संरक्षक प्रदीप्त मुखर्जी, कोषाध्यक्ष पराक्रम शर्मा, वार्ड पार्षद सुमंत यादव, उपाध्यक्ष साकेत गुप्ता, उपाध्यक्ष गौरव झा, प्रवक्ता शान सिंह राजपूत, मीडिया प्रभारी मो मेहबूब, क्रिकेटर मेहबूब हुसैन, चंदन भुवनिया, मो आरिफ, अभिषेक शर्मा, मो शाहनवाज़ मौजूद थे ।

मिसिल्स- रूबेला टीकाकरण अभियान की तैयारियों का केंद्रीय टीम ने लिया जायजा

दुमका । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) । रानीश्वर प्रखंड क्षेत्र में 12 अप्रैल से मिजिल्स रूबेला टीकाकरण अभियान के तहत 9 महीना से 15 आयुवर्ग के बच्चों का टीकाकरण किया जाना है। इस हेतु प्रखंड के सभी सरकारी विद्यालयों, निजी विद्यालयो, आंगनबाड़ी केंद्रों एवं मदरसों को चिन्हित किया गया हैं । शनिवार को यहां यू एस एम्बेसी नई दिल्ली के डा सुकुमार तनवर एवं डॉ सुभेन्दु कर ने बिश्व स्वास्थ संगठन के डाक्टर ध्रुव महाजन के साथ यहां पंहुच कर तैयारियों को लेकर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ कुमार प्रीतम दत्त के साथ विचार विमर्श कर कई आवश्यक सुझाव दिए। मौके पर जी एन एम ,ए एन एम, स्वास्थ्य कर्मी मौजूद थे ।

60-40 नियोजन नीति के विरुद्ध छात्र समन्वय समिति के बैनर तले आयोजित बंदी का उपराजधानी दुमका में व्यापक असर

जिला मुख्यालय समेत दुमका के दसों प्रखंडों में यातायात व्यवस्था ठप्प, बाजारों में छाया रहा सन्नाटा

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

दुमका । पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत छात्र समन्वय समिति के बैनर तले विभिन्न छात्र संगठनों द्वारा आयोजित बंदी का सूबे की उपराजधानी दुमका में ब्यापक असर देखा गया.हेमंत सरकार के 60/40 नियोजन नीति के खिलाफ एवं 1932 के खतियान आधारित नियोजन नीति की मांग को लेकर आदिवासी-मूलवासी एवं विभिन्न छात्र संगठनों व सामाजिक संगठनों द्वारा आज एक अप्रैल को आहूत संथाल परगना बंदी पूरी तरह सफल रही.छात्र समन्वय समिति के बैनर तले दुमका सहित संथाल परगना के सभी छह जिलों में आज बंदी को अभूतपूर्व कहा जा सकता है। बताते चलें कि बंदी के दौरान कही से भी कोई अप्रिय घटना की सूचना नहीं है,यूं कहा जाए तो ज्यादा अच्छा होगा कि बंदी शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हो गई। जिला मुख्यालय समेत दसों प्रखंडों में यातायात व्यवस्था ठप्प रही एवं तकरीबन दुकानें और प्रतिष्ठानें बंद रहे। स्थानीय बस पड़ाव में पूरी तरह सन्नाटा पसरा रहा। जिला मुख्यालय समेत सभी प्रखंडों के मुख्य चौक-चौराहों पर आदिवासी छात्र छात्राओं द्वारा आवागमन ठप्प कर दिया गया।सभी मार्गों पर वाहनों की लंबी कतारें लग गयी।बंदी को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा जगह जगह मजिस्ट्रेट और पुलिस बल तैनात किए गए थे।

बताते चलें कि छात्र छात्राएं ढोल-मांदर और पारंपरिक हथियारों के साथ बंदी की सफलता हेतु शांतिपूर्ण ढंग से सड़को पर उतरे छात्रों ने 60/40 नाय चलतो के साथ साथ सत्ता पक्ष के विधायकों, मंत्रियों व मुख्यमंत्री के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। छात्र छात्राएं झारखण्ड सरकार से 1932 खतियान आधारित नियोजन नीति लागू करने की मांग कर रहे थे। मौके पर छात्र नेता श्यामदेव हेम्ब्रम ने कहा कि राज्य की हेमंत सरकार 60/40 नियोजन नीति को लाक- र यहाँ के आदिवासी मूलवासी छात्रों को गुमराह कर रही है।कहा कि बिहार,बंगाल,छत्तीसगढ़ एवं उड़ीसा में विभिन्न नौकरियों में स्थानीय लोगों को प्राथमिकता दी जा रही है, अन्य राज्यों के युवकों के लिए आरक्षण का प्रतिशत भी कम है.उन्होंने सरकार से पूछा कि झारखण्ड में स्थानीय छात्रों और बेरोजगार युवकों के भविष्य के साथ क्यो खिलवाड़ किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार के मंत्री और विधायक यह आरोप लगा रहे है कि 60/40 नियोजन नीति का विरोध करनेवाले बीजेपी के कार्यकर्ता है तो क्या सरकार में शामिल मंत्री और विधायकों के बच्चों को झारखण्ड में नौकरी नही चाहिए। सरकार के मंत्री और विधायक ऐसी बयानबाजी कर यहाँ के छात्रों व बेरोजगार युवकों को बरगला रहे है।

छात्र नेता ने कहा कि 60 प्रतिशत आरक्षण तो पूर्व से ही है लेकिन 40 प्रतिशत आरक्षण बाहरी लोगों को सरकार क्यो दे रही है। अवसर पर छात्र नेता ठाकुर हांसदा ने कहा कि सरकार ने 60/40 नियोजन नीति को वापस नही लिया तो आनेवाले समय मे आर्थिक नाकेबंदी की जाएगी जिसकी जिम्मेदार सरकार की होगी। बहरहाल नियोजन नीति को लेकर छात्र सड़कों पर है और सरकार खतियानी जोहार जात्रा में ब्यस्त है. बंदी को लेकर सबसे बड़ी बात यह रही कि बंदी को स्थानीय लोगों ने भी समर्थन दिया जिसे ऐतिहासिक कहा जा सकता है.

भूतपूर्व सैनिकों और वीर नारियों के कल्याण के लिए कार्यक्रम का आयोजन

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

दुमका। 31 मार्च से 01 अप्रैल 2023 को जे एड बी सब एरिया की देख-रेख में पंजाब रेजिमेंटल सेन्टर रामगढ़ कैंट के द्वारा भूतपूर्व सैनिकों और वीर नारियों के कल्याण के लिए जिला सैनिक कल्याण कार्यालय दुमका में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें कर्नल भास्कर चन्द्र पाण्डेय (अ.प्रा.) जिला सैनिक कल्याण पदाधिकारी, दुमका ने अध्यक्षता की साथ ही में भूतपूर्व हवलदार दीपक कुमार सिंह अध्यक्ष, भूतपूर्व सैनिक संगठन,दुमका, सार्जेंट निरंजन महतो, कार्यालय अधीक्षक,पंजाब रेजिमेंटल सेन्टर रामगढ़ कैंट की तरफ से आया समन्वय समाधान दल, भूतपूर्व सैनिक,वीर नारियों व उनके आश्रित मौजूद रहे। पंजाब रेजिमेंटल सेन्टर रामगढ़ कैंट के कमाण्डेंट बिग्रेडियर संजय चन्द्र कांडपाल के द्वारा भेजे गये समन्वय समाधान दल ने भूतपूर्व सैनिकों,वीर नारियों तथा आश्रितों की समस्यायों को ध्यान से सुना तथा भूतपूर्व सैनिकों की शिकायतों के निवारण के लिए संबंधित अभिलेख कार्यालय तथा पेंशन विभाग की विसंगतियों को दूर किया तथा त्वरित कार्रवाई का आश्वासन दिया।इस आयोजन में पधारे सभी दूर दराज के गाँव से भूतपूर्व सैनिकों,वीर नारियों तथा उनके आश्रितों का आभार समन्वय समाधान दल के द्वारा प्रकट किया गया तथा समन्वय समाधान दल ने सभी शिकायतों एवं समस्याओं का निपटान किया गया।

समन्वय समाधान दल दुमका के बाद 03 अप्रैल से 05 अप्रैल 2023 को देवघर में कैंप का आयोजन करेगा। सभी भूतपूर्व सैनिकों, वीर नारियों तथा उनके आश्रितों से अनुरोध है कि आप सभी 03 अप्रैल से 05 अप्रैल 2023 को इ सी एच एस देवघर में पहुँच कर अपनी सेना संबंधित समस्याओं का निराकरण कराएं।

सदस्यता अभियान, बूथ मजबूती एवं सरकार के जन कल्याणकारी कार्यों को लोगों तक पहुंचाने का दिया निर्देश

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

दुमका । रामगढ़ प्रखंड मुख्यालय स्थित विकास भवन सभागार में झारखंड मुक्ति मोर्चा प्रखंड इकाई की बैठक शनिवार को प्रखंड अध्यक्ष शिवलाल मरांडी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक के दौरान सदस्यता अभियान, संगठन मजबूती तथा झारखंड सरकार के जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाने पर चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए प्रखंड अध्यक्ष मरांडी ने कहा कि अधिक से अधिक लोगों को झारखंड मु- क्ति मोर्चा के सदस्य बनाने हेतु सभी कार्यकर्ता तैयार हो जाएं। सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को एक एक लोगों को बताया जाए तथा जरूरतमंदों को योजनाओं का लाभ मिले कार्यकर्ता इसका पूरा ध्यान रखें। अगर किसी तरह की कठिनाई होती है तो तुरंत प्रखंड कमेटी को मामले की जानकारी दी जाए। संगठन मजबूती पर चर्चा करते हुए कहा गया कि सभी कार्यकर्ता मिलजुल कर काम करें लोगों को झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्य तथा लक्ष्य की जानकारी दें। उन्होंने कहा कि आगामी लोकसभा एवं विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए निर्धारित समय तक सभी कार्यकर्ता अपने अपने दायित्व का ईमानदारी से निर्वहन करें। मौके पर विधायक प्रतिनिधि नंदकिशोर साह, कुणाल सिंह (झुनू) सचिव नंदलाल राउत प्रमुख बाबूलाल मुर्मू केंद्रीय समिति सदस्य छोटेलाल मंडल, अभय कुमार सिंह दिवाकर मंडल ,राजेश गुप्ता सुशील मुर्मू, ललन भगत, चंद्रशेखर सोरेन सहित काफी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता मौजूद थे।

हाईवा के चपेट में आने से घायल जंयत देहरी और राजकुमार देहरी की इलाज के दौरान मौत

मुआवजा की मांग को लेकर कारूडीह मोड़ पर मृतकों के शव को रखकर किया दुमका-पाकुड़ मुख्य मार्ग को जाम

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

दुमका । गोपीकान्दर थाना क्षेत्र के कारुडीह मोड़ के पास बीते शुक्रवार की रात कोयला हाईवा के चपेट में आने से घायल जंयत देहरी और राजकुमार देहरी की इलाज के दौरान आज शनिवार को मौत हो गई। शनिवार को ग्रामीण और आश्रितों ने उचित मुआवजा की मांग को लेकर कारूडीह मोड़ पर मृतकों के शव को रखकर दुमका-पाकुड़ मुख्य मार्ग को जाम कर दिया।मौके पर कोल कंपनी के सुपरवाइजर मनोज चांद,भाजपा के वरिष्ठ नेता सत्य शिक्षानंद मुर्मू, भाजपा मंडल अध्यक्ष नकुल साह, एलियन हांसदा एवं गोपीकान्दर पुलिस के द्वारा आश्रितों को समझाया गया।लेकिन आश्रित मांग पर डटे रहे। बता दें कि बीते शुक्रवार की रात कारूडीह मोड़ पर कोयला हाईवा के चपेट में आने से चार युवक गंभीर रूप से घायल हो गये थे जिसमें राजकुमार देह-

● ग्रामीणों एवं आश्रितों ने किया सड़क जाम

री (15) और जंयत देहरी (28) की इलाज के दौरान मौत हो गई। बाकी दो युवकों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। खबर लिखे जाने तक जाम लगा हुआ था। जाम के कारण आवाजाही पुरी तरह से बाधित थी, सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी-चौड़ी कतार लगी हुई हैं।

चलंत लोक अदालत अब आपके द्वार, अंतिम व्यक्ति तक न्याय दिलाना का है उद्देश्य: प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ । झालसा रांची के निर्देशानुसार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ बाल कृष्ण तिवारी द्वारा चलंत लोक अदालत वाहन सह विधिक जागरुकता वाहन को हरी झंडी दिखाकर पाकुड़ प्रखंड रवाना की गई। पाकुड़ प्रखंड के सभागार में इस चलंत लोक अदालत सह जागरुकता शिविर के महत्त्व को डालसा के सचिव शिल्पा मुर्मू जानकारी देते हुऐ कहा गया कि इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि देश का कोई भी नागरिक आर्थिक या किसी अन्य अक्षमता के कारण न्याय पाने से वंचित न रह जाए।चलंत लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य लोगों को जागरूक करना है ताकि समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय की किरण पहुंच सके।साथ ही महिला को किसी भी प्रकार का पड़तवाना अगर किया जा रहा हो तो वन स्टेप सेंटर के पीएलवी के माध्यम से आवेदन देने को कहा गया। साथ ही किसी भी थाना में एफआईआर दर्ज सबंधित कोई परेशानी हो तो जिला विधिक सेवा प्राधिकार को सूचित कर सकते है।डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेंस के नुकुमुदिन शेख ने संविधान निर्माता भीम राव अम्बेडकर के जिक्र करते हुए कई कनून से सबंधित अनुच्छेद के बारे में विस्तृत जानकारी दी।प्रखंड विकास पदाधिकारी सफीक आलम ने कहा कि संविधान द्वारा दिए गए अधिकार के प्रति लोगो को जागरूक होना बहुत जरूरी है इनकी जानकारी के अभाव में कानूनी लाभ से वंचित हो जाते है साथ ही सरकारी योजनाओं का लाभ बिना जागरूक हुए नही ले सकते। कमज़ोर और वंचित लोग आगे आए और कानून और योजनाएं का लाभ ले।मेडिटर समीर कुमार मिश्रा ने बताया कि चलंत लोक अदालत एक ऐसा माध्यम है जो आपके द्वार पहुंच कर लोगो की समस्या को निः शुल्क तुरंत न्याय प्रदान करता है।मंच संचालन बीपीएम मो फैज आलम द्वारा की गई इसके अलावे डालसा के द्वारा लोगों को सरकारी खर्च पर वकील, कोर्ट फीस के लिए खर्च, अभिलेख कागजातों को तैयार करने का खर्च, गवाहों को आने-जाने का खर्च, मुकदमे से संबंधित अन्य जरूरी खर्च कि सुविधाएं लोगों को प्राप्त करवाना है।

जैसे तमाम कानूनी जानकारी से लोगो को अवगत कराया गया। किसी भी प्रकार का समस्या हो तो पीएलवी के माध्यम से आवेदन देने को कहा गया। मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी सफिक आलम,बीपीएम फैज आलम, मेडीटर समीर कुमार मिश्रा, डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेंस के नुकुमुद्दीन शेख, सहायक लीगल एड डिफेंस के गंगाराम टुडू पीएलवी उत्पल मंडल, कमला राय गांगुली, खुदु राजवंशी , नीरज कुमार राउत समेत दर्जनों सखी मंडल की महिलाएं मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

जिले में कुल 2984 मरम्मती के कारण बंद चापाकलों के विरुद्ध 2782 नलकूपों को मरम्मत कर किया गया चालू

- ग्रीष्म ऋतु के मद्देनज़र उपायुक्त ने खराब पड़े चापाकलों को एक सप्ताह में दुरुस्त करने का दिया था निर्देश

पाकुड़ । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) । उपायुक्त वरुण रंजन के निर्देश पर सघन चापाकल मरम्मती अभियान चलाया जा रहा है. उपायुक्त वरुण रंजन के निर्देश पर पेयजल एवम् स्वच्छता विभाग के द्वारा प्रत्येक प्रखंड में विभिन्न कारणों से बंद पड़े चापाकलों का सर्वेक्षण कार्य कराया गया जिसके आलोक में निम्न बिबरनी अनुसार विभिन्न कारणों से चापाकल बंद पाये गये. चापाकल मरम्मती अभियान के तहत पेयजल स्वच्छता विभाग एवम् पन्द्रवें वित्त आयोग का रहा अहम योगदान

क्रम	प्रखंड	बंद नलकूप	चालू किए गए
1.	पाकुड़	992	992
2.	हिरणपुर.	410	310
3.	लिट्टिपाड़ा.	449	288
4.	अमड़ापाड़ा.	61	061
5.	महेशपुर	468	468
6.	पाकुड़िया.	424	393
कुलः		2984	2512

इसके अतिरिक्त कुल 270 अन्य कारणों से बंद चापाकलों को मरम्मती कर चालू किया गया।

इस अभियान के दौरान पंचायती राज विभाग के तहत 15 वीं वित्त योजना के निधी से सड़े हुए पाईप के कारण बंद परे चापाकलों की मरम्मती मुखिया एवम पंचायत सचिव के माध्यम से दुरुस्त की गई। उक्त नलकूपों के मरम्मती हेतु ज़िले में कुल 42 अदद नलकूप मरम्मती गैंग को विभिन्न प्रखंड में लगाया गया। उपयुक्त, पाकुड़ के निर्देश पर सभी प्रखण्डों में नलकूप मरम्मती हेतु नियंत्रण कक्ष एवं ज़िला नियंत्रण कक्ष का दूरभाष संख्या प्रकाशित की गई है जिस पर ख़राब पड़े नलकूपों की मरम्मती हेतु सूचना दी जा सकती है। ज़िला स्तर पर नियंत्रण कक्ष का दूरभाष संख्या 9798796348 एवं 6207206524 है। प्रखंड स्तर सम्बंधित सहायक अभियंता एवं कनीय अभियंता का दूरभाष संख्या निम्नवत है जिस पर सूचना दी जा सकती है.

1. पाकुड़, हिरणपुर एवम अमड़ापाड़ा प्रखंड हेतु 9155863727 और 9773807198
2. लिट्टिपारा प्रखंड हेतु 8340763109
4. महेशपुर एवम पकुड़िया प्रखंड हेतु 9060535260

चल चिकित्सा वाहन द्वारा प्रखंड के सुदूर गांवों में किया गया मुफ्त ईलाज

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) ।

पाकुड़िया(पाकुड़) । प्रखंड के सुदूरवर्ती क्षेत्र पातपहाड़ी, खजुरदंगाल आदि अन्य गांवों में शनिवार को सरकार के चल चिकित्सा वाहन द्वारा गांवों के बीमार लोगों का जांचोपरांत ईलाज किया गया। साथ ही उन लोगों के बीच जरूरी दवाओं का मुफ्त वितरण भी किया गया। चल चिकित्सा वाहन में मौजूद डॉक्टर आंद्रेस मरांडी फार्मासिस्ट जमीरुल इस्लाम अपने सहयोगी एएनएम सावित्री पंडित के साथ दर्जनो गरीब जरूरतमंद रोगियों का इलाज किया। साथ ही उन्हें बेहतर चिकित्सकीय परामर्श के साथ ही सुई एवं दवा देकर इसे समय पर लेने का सुझाव दिया । मौके पर डॉ मरांडी ने बताया कि वर्तमान मैं बदले मौसम एवं ठंढ गर्म के कारण गांवों में लोग सर्दी , खांसी टाइफाइड, मलेरिया, बुखार और बदन दर्द ,सर दर्द से पीड़ित पाये गए। जानकारी का अभाव, दूरी, गरीबी, पैसे की कमी होने के कारण ये लाचार बीमार ब्यक्ति डॉक्टर के पास नहीं जा पाते हैं। इसीलिए सरकार की चलाई गई योजना चल चिकित्सा वाहन के द्वारा हम अक्सर जरूरतमंदों तक पहुंचकर उनका सही इलाज करते हैं। इधर मुफ्त डॉक्टरी ईलाज, परामर्श और दवा पाकर गरीबों के चेहरे पर खुशी देखी गई। बाद में वाहन अगले महेशपुर के अभुवा गांव की ओर ईलाज हेतु रवाना हो गया।

पाकुड़ में नई नियोजन नीति के खिलाफ सड़क पर उतरा आदिवासी समाज, हेमंत सरकार के खिलाफ उबाल

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ । नई नियोजन नीति 60/40 को लेकर हेमंत सरकार के खिलाफ आदिवासी समाज में आक्रोश बढ़ गया है. शनिवार को संथाल परगना छात्र समन्वय समिति के आ''ान पर जिला मुख्यालय सहित प्रखंड मुख्यालयों में सड़क जाम कर दिया गया और बाजार भी बंद कराया गया. आदिवासी समाज के प्रतिनिधि और कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने सड़क जाम कर दिया. सड़क जाम कर रहे आंदोलनकारियों को नगर थाना की पुलिस ने गिरफ्तार किया. सड़क जाम कर रहे आदिवासी छात्र-छात्राओं ने हेमंत सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और नई नियोजन नीति 60/40 को रद्द करने की मांग की. आंदोलनकारी छात्र-छात्राओं ने बताया कि हेमंत सरकार झारखंडियों को नहीं बल्कि बाहरी लोगों को प्राथमिकता देने का काम कर रही है. हेमंत सरकार झारखंडियों के साथ धोखाधड़ी कर रही है. दूसरे राज्यों में नियोजन नीति बाहरी लोगों के लिए 5 से 10 प्रतिशत ही दिया गया है जबकि स्थानीय को 90 से 95 प्रतिशत यदि नई नियोजन नीति को रद्द नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में उग्र आंदोलन किया जाएगा. लिट्टीपाड़ा (पाकुड):: सरकार के 60/40 नीति के खिलाप शनिवार को लोग सड़क पर उतरे और चक्का जाम कर अपनी शक्ति का एहसास सरकार तक पहुचाने का प्रयास किया। आदिवासी चिरगल जुआन सं×गठन के बैनर तले शनिवार प्रातः बड़ी संख्या में आदिवासी युवक व आदिम जन जाति समुदाय लोग लिट्टीपाड़ा चोक स्थित तिलकामांझी प्रतिमा के समीप बीच सड़क पर बास लगाकर सड़क जाम कर हेमन्त सरकार के खिलाप जमकर नारेबाजी किया।

संगठन के नेता भूटान बेसरा ने कहा खतियान आधारित नियोजन नीति होनी चाहिए।सरकार झारखण्ड के मूल वासी के खिलाप साजिस रचकर बाहरी लोगों को तरजीह दी रही है। सरकार 60/40 लागू कर झारखण्ड के जनता का इज्जत तार तार कर दिया है।जिसे जनता कभी माफ नही करेगी।और यहाँ की जनता सरकार के मनसूबे पर पानी फेर देगा। संगठन का मांग है कि झारखंडियों का पहचान होना चाहिए यहां के निवासियों का ही सरकार सेवा में नोकरी होनी चाहिए। झारखण्ड में बाहरी लोगों को महज पांच फीसदी ही आरक्षण मिलना चाहिए।क्षेत्रीय भाषा को प्राथमिकता देनी होगी। इसके अलावे बेरोजगार युवको रोजगार दे।चक्का जाम चार घंटे तक रहने से साहेबगंज गोविंदपुर एक्सप्रेस हाइवे पर वाहनों की लंबी कतार लग गयी थी और यात्रियो को काफी परेशानी झेलना पड़ा।

समस्याओं से रूबरू हुए मंत्री, संबंधित अधिकारियों को समस्याओं का समाधान करने का दिया निर्देश

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) ।

पाकुड़ । पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के मुताबिक मंत्री ग्रामीण विकास विभाग विधायक दल नेता आलमगीर आलम साहब 2:00 बजे परिसदन, पाकुड़ में आए। आने के साथ ही उन्होंने बाहर खड़ी भीड़ में सभी को एक-एक करके बुलाया और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। उनके समस्याओं में ज्यादातर बिजली विभाग के ट्रांसफार्मर, चापा नल, डीप बोरिंग आदि की समस्याएं मुखर होकर सामने आई। सभी समस्याओं को धैर्य पूर्वक सुनने के उपरांत उनसे संबंधित अधिकारियों को या तो फोन से या परिसदन में ही बुलाकर निर्देशित किया कि अविलंब इन समस्याओं का समाधान हो जाए। मौके पर जिलाध्यक्ष श्रीकुमार सरकार, प्रखंड अध्यक्ष मंसारूल हक, लिट्टीपाड़ा विधानसभा प्रभारी सेमिनुल इस्लाम, जिला प्रवक्ता मुख्तार हुसैन, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष शाहीन परवेज, मीडिया प्रभारी नलिन मिश्रा, विधायक प्रतिनिधि देबू विश्वास, समेत बहुत सारे पदाधिकारीगण मौजूद थे।

कोंग्रेस कमिटी की अगुवाई में एक पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) ।

पाकुड़िया(पाकुड़) । प्रखंड कांग्रेस कार्यालय में शनिवार को कोंग्रेस कमिटी की अगुवाई में एक पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया। इस दौरान उपस्थित पाकुड जिला कांग्रेस सचिव सह पाकुड़िया प्रखंड प्रभारी महबूब आलम के द्वारा बताया गया कि केंद्र सरकार की अगुवाई वाली सरकार में भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, महंगाई चरम पर है। उन्होंने कहा कि पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी की संसद सदस्यता वेवजह रद्द किए जाने के खिलाफ आगामी 08 अप्रैल तक लगातार जय भारत सत्याग्रह आंदोलन करने का निर्णय लिया गया है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रखंड अध्यक्ष मो इस्लाम मियां, युवा नेता सह लिट्टीपाड़ा प्रभारी व जिला महासचिव दाऊद मरांडी जिला सदस्य स्टीफन टुडू, अली अहमद, मुस्तकीम मियां, पांचु मियां, कालू मियां, मैनुद्दीन मियां आदि अन्य दर्जनों कार्यकर्ता गण उपस्थित थे।

वित्तीय वर्ष 2022-23 में खनन राजस्व वसूली में राज्य में पाकुड़ छठे स्थान पर रहा: डीएमओ

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ । जिला खनन पदाधिकारी प्रदीप कुमार साह द्वारा बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2022-23 में निर्धारित लक्ष्य 521.25 करोड़ के विरूद्ध 539.29 करोड़ का राजस्व की हुई वसूली, जो लक्ष्य का 103.46 प्रतिशत है। गत वित्तीय वर्ष 2021-22 की तुलना में 40.60 प्रतिशत अधिक वसूली हुई है। गत वित्तीय वर्ष 2021-22 में वार्षिक लक्ष्य 395.00 करोड़ रू० के विरूद्ध 383.55 करोड़ रू० की वसूली हुई थी। जिला खनन पदाधिकारी ने कहा कि उपायुक्त महोदय द्वारा राजस्व संग्रह के लिए बैठकों में प्राप्त दिशा निर्देश के कारण लक्ष्य की प्राप्ति हो पाई है। अवैध खनन / परिवहन पर रोक एवं चेकनाका संचालन में जिला / पुलिस प्रशासन का सहयोग अपेक्षित रहा। वित्तीय वर्ष 2022-23 में अवैध खनन / परिवहन / भण्डारण के मामले में कुल 118 प्राथमिकी दर्ज करायी गई है एवं 310 वाहनों को जप्त किया गया है। राज्य में खनन राजस्व वसूली में चाईबासा, धनबाद, चतरा, रामगढ़, बोकारो के बाद पाकुड़ छठें स्थान पर रहा। साहेबगंज के बाद पाकुड़ पत्थर (लघु खनिज) के समाहरण में राज्य में दूसरे स्थान पर रहा। पूरे राज्य में निर्धारित लक्ष्य 9680.00 करोड़ रू० के विरुद्ध 9787.40 करोड़ रू० (101.11 प्रतिशत) की वसूली हुई हैं।

झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक का पांचवा स्थापना दिवस मनाया

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ । शहर के झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक के जिला शाखा में बैंक का पांचवा स्थापना दिवस मनाया गया. माया स्थापना दिवस को लेकर जिला शाखा में ग्राहकों के साथ कार्यक्रम आयोजित किया गया और मौके पर मौजूद शाखा प्रबंधक सौरभ कुमार वैद्य ने विस्तार से ग्रामीण बैंक के द्वारा दिए जा रहे सेवाओं की जानकारी दी.

उनके द्वारा बताया गया कि झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक ग्राहकों को हर प्रकार की सुविधा उपलब्ध कराने को पूरी तरह से तत्पर है. राज्य ग्रामीण बैंक अपने बेहतर सेवा के लिए जहां जाता है और यहां ग्राहकों को बचत खाता ,करंट अकाउंट खोलने में किसी प्रकार की असुविधा नहीं होती इसके साथ साथ बैंक कार लोन गोल्ड लोन, गुरुजी प्लस पर्सनल लोन के साथ साथ हर प्रकार का लोन आसानी से उपलब्ध करवाती है. वही स्थापना दिवस को लेकर बैंक में साज सज्जा भी किया गया था। मौके पर ब्रांच के प्रेमदीप मरांडी,राजकुमार ,दिलीप मंडल समेत अन्य मौजूद थे।

- **यहाँ हर प्रकार का लोन आसानी से उपलब्ध है**

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के दो दिवसीय प्रांतीय कार्यकारिणी बैठक हुई

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ । अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के झारखंड प्रांत की दो दिवसीय प्रांतीय कार्यकारिणी बैठक शनिवार को पाकुड़ स्थित मारवाड़ी धर्मशाला में प्रारंभ है। बैठक में राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री गोविंद नायक, प्रदेश अध्यक्ष डा. ओपी सिन्हा, प्रदेश मंत्री सोमनाथ भगत, प्रदेश संगठन मंत्री राजीव रंजन ने सम्मलित रूप से स्वामी विवेकानंद की तस्वीर पर फूल अर्पित व दीप प्रज्वलित कर बैठक का श्री गणेश किया। बैठक के पहले दिन विद्यार्थी परिषद की झारखंड प्रांत की कार्यकारिणी टोली ने झारखंड की शैक्षणिक दुर्दशा, दिग्भ्रमित युवा और राज्य के विकास में बाधक दिशाविहीन वर्तमान राज्य सरकार विषयों पर चर्चा की। अभाविप झारखंड के प्रदेश संगठन मंत्री राजीव रंजन जी ने विद्यार्थी परिषद के 75 वर्ष पूर्ण होने पर झारखंड के सभी जिलों में आयोजित हुए छात्र सम्मेलन , शैक्षणिक परिसरों में हुए आंदोलन, सभी जिलों के छात्र समूह की समस्याओं की जिलावार समीक्षा की। कार्यकर्ताओं को प्रतिबद्धता के साथ राष्ट्र निर्माण के कार्य में जुड़ने के लिए प्रेरित किया। अभाविप के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री गोविंद नायक ने कहा कि परिषद में शिक्षा कार्य और आगामी कार्य योजना के लिये तथा संगठन के विस्तार हेतु प्रदेश कार्यकारिणी बैठक महत्वपूर्ण है. वर्तमान में 3900 से ज्यादा इकाई एवं 34 लाख कार्यकर्ता अभाविप से जुड़कर राष्ट्रहित एवं छात्रहित के प्रति अग्रसर है। विद्यार्थी परिषद के झारखंड प्रदेश मंत्री श्री सोमनाथ भगत ने कहा कि शिक्षा युवाओं के प्रति अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने झारखंड सरकार को छात्र विरोधी सरकार बताया। केंद्र सरकार द्वारा लाई गई नई शिक्षा नीति लाभदायक बताया बैठक में राष्ट्रीय कार्यकारिणी परिषद के विशेष आमंत्रित सदस्य सह झारखंड प्रांत के प्रांत प्रमुख डा. पंकज कुमार, राष्ट्रीय कार्यकारिणी परिषद के सदस्य डा. कमलेश कुमार कमलेंदु ,प्रांत उपाध्यक्ष सुमनलता जी,राष्ट्रीय जनजातीय कार्य सह प्रमुख प्रमोद राउत जी, राष्ट्रीय खेल संजोजक पालव्वी गाड़ी जी,राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य प्रताप सिंह सहित प्रांत के सभी जिलों से सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कोयला ट्रकों के परिचालन के लिए अलग मार्ग की आवश्यकता - नलिन

दुमका पाकुड़ मुख्य मार्ग पर कोयला लदे तेज रफ्तार हाईवा के परिचालन से हो रही है लगातार दुर्घटनाएं

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

दुमका । दुमका पाकुड़ मुख्य मार्ग पर कोयला लदे तेज रफ्तार हाईवा के परिचालन से लगातार सड़क दुर्घटना में लोगों की जान जा रही है। इसके बावजूद सरकार और प्रशासन मौन है। काठीकुंड थाना क्षेत्र के दुमका पाकुड़ मुख्य मार्ग पर नयाडीह पुल के पास आज शनिवार को दो हाईवा के भीषण टक्कर में खलासी अन्नु केवट(20) की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। जबकि चालक हराधन केवट अपने केबिन में काफी देर तक फंसा रहा। प्रशासन ने काफी मशक्कत के बाद क्रेन की सहायता से चालक हराधन केवट को निकालने के बाद फुलो झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल दुमका में भर्ती कराया है। जबकि केबिन के पीछे बैठा करण राय (15) को हल्की चोटें आई हैं। सभी पाकुड़ जिला के अमड़ापाड़ा थाना क्षेत्र के आमडापाडा रांगा केवट टोला के बताये जा रहे है। वहीं एक हाईवा का चालक मौके से फरार हो गए।जानकारी के

- **सड़क दुघर्टना में आएं दिन जा रही है निर्दोष लोगों की जान**
- **दुमका पाकुड़ मुख्य मार्ग पर आज दो हाईवा के बीच भीषण टक्कर में एक खलासी की मौत,एक चालक भी गंभीर रूप से घायल**

अनुसार अमड़ापाड़ा के आलूवेड़ा में संचालित बीजीआर कॉल कंपनी से कोयला लेकर दुमका रेलवे रैक ले जाने के क्रम में नयाडीह पुल के पास कोयला लदे हाईवा चालक ने विपरीत दिशा से आ रहे गाड़ियों को ओवरटेक करते तीव्र गति से आ रही खाली हाइवा को देखकर अपनी चाल धीमी कर दी ,बाबजूद खाली हाइवा ने अनियंत्रित होकर जोरदार टक्कर मार दी। आमने-सामने की भयानक टक्कर से कोयला लदे हाइवा में मौजूद चालक हराधन केवट केबिन में फस गया और गंभीर रूप जख्मी हो गया,वही खलासी अन्नु केवट के सिर पर

चोट लगने के कारण मौके पर ही उसकी मृत्यु हो गई,जबकि गाड़ी में मौजूद 15 वर्षीय बालक करण राय जो चालक के पीछे सीट पर सोया हुआ था, हल्की चोट आई। वहीं शुक्रवार रात को गोपीकांदर थाना क्षेत्र के कारुडीड मोड़ के पास ट्रक और मोटरसाइकिल की टक्कर में चार युवक घायल हो गए।जिसमें काठीकुंड थाना क्षेत्र के आमतलला गांव के जंयता देहरी की इलाज के दौरान फुलो झानो मेडिकल कॉलेज में शनिवार को मौत हो गई। वहीं गोपीकांदर भागाबांद के राजकुमार देहरी, देवेंद्र देहरी, बुद्धिनाथ हेम्बरम का इलाज चल रहा है।

घटना की जानकारी मिलते ही, स्थानीय विधायक नलिन सोरेन,जिप अध्यक्ष जोएस लूप्सी बेसरा एवं काठीकुंड पुलिस ने घटना स्थल पर पहुंचकर कई घंटों मशक्कत के बाद क्रेन की सहायता से केबिन में फसे चालक को बाहर निकालकर फूलों झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल दुमका भेज दिया है। स्थानीय विधायक नलिन सोरेन ने घटना पर दुख जताते हुए कहा कि कोयला गाड़ियों से आये दिन हो रहे सड़क हादसों से आम लोगो की जान जा रही है, आये दिन लोग अपनों को खो रहे है। कहा कि इस मार्ग पर कोयला गाड़ियों का परिचालन को रोके जाने की आवशयकता है। सरकार को कोयला गाड़ियों के परिचालन हेतु एक अलग सडक का निर्माण कराना चाहिए।इस पथ पर तत्काल जगह-जगह स्पीड ब्रेकर लगाने की आवशयकता है।

कुआं से महिला का शव बरामद

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

दुमका । हंसडीहा थाना क्षेत्र के लकड़बांक गांव स्थित एक कुआं से शनिवार को हंसडीहा पुलिस ने एक महिला का शव बरामद किया है। मृतका की पहचान जरमुंडी थाना क्षेत्र के भालकी गांव की रहने वाली मीनका देवी के रूप में हुई है। महिला का मायके हंसडीहा थाना क्षेत्र के नावाडीह गांव बताया गया है। घटना की सूचना मिलते ही हंसडीहा थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को कुएं से बाहर निकाला। वहीं घटना को लेकर मृतिका के परिजन ने हंसडीहा थाना में लिखित आवेदन देकर हंसडीहा थाना पुलिस को बताया है कि मृतिका मीनका देवी मानसिक रूप से विक्षिप्त थी जो कि बीते दिन 29 मार्च को घर से

निकल कर कहीं चली गई थी जिसके बाद परिजनों को पता चलते ही परिजनों ने अपने स्तर से खोजबीन की परंतु पता नहीं चल पाया। उन्होंने बताया कि मृतिका का ससुराल जरमुंडी थाना क्षेत्र के भालकी गांव में है।महिला अपने मायके नावाडीह गांव में रह रही थी। इसी दौरान 29 मार्च को घर से कहीं निकल कर चली गई थी। लिखित आवेदन में परिजनों ने दावा किया है कि महिला विक्षिप्त होने के कारण कुएं में गिर गई जिससे उसकी मौत हो गई।उन्होंने महिला का पोस्टमार्टम नहीं कराने का हंसडीहा पुलिस से अनुरोध किया।

मामले को लेकर घटनास्थल पर पहुंचे हंसडीहा थाना के पुलिस पदाधिकारी उत्तम पासवान ने बताया कि परिजनों ने महिला के शव का पोस्टमार्टम नहीं कराने का अनुरोध किया। परिजनों के आवेदन पर मृतिका के शव को परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है।

विभिन्न विकास योजनाओं को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

दुमका । जामा प्रखंड सभागार में शनिवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी शिद्धार्थ शंकर यादव के अध्यक्षता में मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना, 15वें वित्त, जल जीवन मिशन सहित अन्य योजनाओं की साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिसमें सभी अधिकारियों एवं कर्मियों को कार्य में प्रगति लाने और आधे अधूरे कार्य को अविलंब पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। कहा कि जिस पंचायत में लक्ष्य के अनुरूप कार्य नहीं किया जाएगा उनके विरुद्ध विभागीय कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

विदित हो कि आगामी छः अप्रैल को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन झारखंड सरकार का दुमका एवं जामा भ्रमण कार्यक्रम प्रस्तावित है अतः सभी विभाग के पदाधिकारी कर्मी एवं पर्यवेक्षक को पूर्ण मनोयोग के साथ कार्य करने ओर निर्धारित लक्ष्य को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। इस मौके पर सहायक अभियंता गुंजन राज,बीपीओ आशा रोज हांसदा, प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी डॉक्टर रमेश उरांव, प्र-खंड समन्वय विकास मिश्रा, कनीय अभियंता विष्णु राज, विशाल गौरव, रंजन हेम्ब्रम ,अशोक गुप्ता सहित सभी पंचायत सचिव, मनरेगा रोजगार सेवक आदि अन्य कर्मी उपस्थित थे।

कुमारधुबी में किया रेलवे ओवरब्रिज का उद्घाटन, जाम से मिलेगी लोगों को मुक्ति

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)।

निरसा । लगभग 45 करोड़ की लागत से बना 8 सौ 26 मीटर कुमारधुबी रेलवे ओवर ब्रिज शनिवार को चालू हो गया। झारखण्ड राज्य के परिवहन मंत्री चंपई सोरेन ने शीलापट का अनावरण किया। वहीं मंत्री चंपई सोरेन एवं धनबाद सांसद भाजपा के पीएन सिंह ने विधायक अपर्णा सेन गुप्ता की उपस्थिति में फीता काटकर ब्रिज का उद्घाटन किया। मंत्री सोरेन ने कहा कि 23 साल (झारखण्ड गठन) बाद राज्य में विकास देखने को मिल रहा है। कुमारधुबी रेलवे ओवर ब्रिज इसका उदाहरण है। खनिज संपदा से परिपूर्ण यह राज्य आदर्श राज्य बनने की ओर अग्रसर है। एक दिन पहले मासस द्वारा ब्रिज का उद्घाटन पर सोरेन ने कहा कि जन प्रतिनिधियों को अच्छे कामों की सराहना करनी चाहिये। दुर्भावना व उतावलेपन से कोई काम नहीं करना चाहिए। सभी का सामुहिक प्रयास से ब्रिज का निर्माण हुआ है। प्रोटोकॉल को धत्ता बता ब्रिज का उद्घाटन करना संकीर्ण मानसिकता का परिचय है। मंत्री सोरेन ने कहा कि राज्य सरकार ने सुदुरवर्ती गांव के लोगों की समस्या को देखते हुए मुख्यमंत्री गाड़ी योजना शुरू की है। 22 सौ रूट निर्धारण भी किया गया है। अब ग्रामीणों को हाट बाजार, स्कूल, अस्पताल, ब्लाक आदि जगहों पर जाने में दिक्कत नहीं होगी। सांसद

पीएन सिंह ने कहा कि ओवरब्रिज निर्माण से जाम की समस्या खत्म हो गयी है। औद्योगिक नगरी की पहचान खो चुका कुमारधुबी का रौनक फिर से लौट आयी है। लेकिन फ्रेट कॉरिडोर निर्माण में विस्थापित हो रहे 250 परिवार के पुनर्वास की भी व्यवस्था होनी चाहिए। यदि राज्य सरकार इन्हें भूमि उपलब्ध कराती है तो पीएम आवास का कालोनी बनाकर बेघर परिवारों को बसाया जा सकता है। मौके पर विधायक अपर्णा सेनगुप्ता, डीआरएम परमानंद शर्मा, चिरकुण्डा नगर परिषद अध्यक्ष डबलू बाउरी, झामुमो के जिलाध्यक्ष लक्खी सोरेन, अशोक मण्डल, काजल चक्रवर्ती, यूएन पाठक, जिप सदस्य झामुमो के गुलाम कुरैशी, जिप सदस्य भाजपा के पिंटू सिंह आदि थे।

कोयला और बालू चोरी से फुर्सत मिले तभी तो ज्ञान होगा : पीएन सिंह

कोयला और बालू चोरी से फूर्सत मिले तभी तो ज्ञान होगा। लोकतंत्र का अपमान कर नारियल फोड़ दिया गया। कम से कम नियम कानून का ध्यान तो होता। ईसीएल के कापासारा में रंगदारी वसूली हो रही है। उक्त बातें सांसद पीएन सिंह ने बिना किसी के नाम लिए रेलवे ओवरब्रिज उद्घाटन समारोह में कही। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार पैसा दे रही है और कह रहा है। रेलवे ओवरब्रिज हम बनवाएं। कल फीता कट गया। नारियल फूट गया। हमको तो हलका कर दिया। उन्होंने कहा कि पीडब्ल्यूडी द्वारा सड़क का अलाउटमेंट नहीं देने के कारण रेलवे ओवरब्रिज के काम पूरा होने में विलंब हुआ। उन्होंने कहा कि रेलवे फ्रेड कोरिडोर में यहां के लोगों को हटाया जा रहा है। ताकि दुर्घटना

न हो। उन्होंने कहा कि कुमारधुबी के आसपास 2-3 हजार परिवार के दस हजार आबादी प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने झारखंड सरकार से मांग किया कि जुग्गी झोपड़ी में रहने वालों गरीबों को पुनर्वास की व्यवस्था करें।

- **नौटंकी कर लोगों को किया जा रहा है गुमराह : अपर्णा**

विधायक अपर्णा सेन गुप्ता ने कहा कि कुमारधुबी के लोगों को रेलवे ओवरब्रिज सौगात मिली है। अब जाम से निजात मिलेगी। केंद्र और राज्य सरकार से लगातार संपर्क करने के बाद परिणाम मिला है। उन्होंने कहा कि ओवरब्रिज का श्रेय लेने के लिए नौटंकी किया गया और नारियल फोड़ दिया गया। कहा कि निरसा की जनता सब जानती है कि यहां आजतक क्या विकास हुआ है। नौटंकी और झूठ बोलकर लोगों को गुमराह किया जा रहा है। 2024 में निरसा की जनता जवाब देने के लिए तैयार है।

- **मैथन में मंत्री चंपई सोरेन का किया गया स्वागत**

झारखंड सरकार के मंत्री चंपई सोरेन का मैथन छठ घाट गोगना हैलीपैड के पास पार्टी कार्यकर्ता, जिला अधिकारी, डीवीसी अधिकारी ने गुलदस्ता देकर सम्मानित किया। आदिवासी रीति रिवाज के साथ उनका स्वागत किया गया। आदिवासी नृत्य प्रस्तुत किया गया। मौके पर जिला अध्यक्ष लखी सोरेन, बरिष्ठ नेता अशोक मंडल, जिप सदस्य गुलाम कुरैशी, रामनाथ सोरेन, विनोद सिंह, उपेंद्र नाथ पाठक, तपन तिवारी, डीवीसी के डीजीएम ए पुरकायस्थ, एसडीएम प्रेम कुमार तिवारी, डीटीओ, एसडीपीओ पितांबर सिंह खेरवार, बीडीओ विनोद कुमार कर्मकार, विकास राय आदि थे।

संक्षिप्त समाचार

महामाया लाइब्रेरी का भवन धाराशायी

दुमका । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) । कुमिरदहा गांव स्थित महामाया लाइब्रेरी का भवन धराशायी हो गया हैं।ज्ञात हो कि प्रथम पंचवर्षीय परियोजना के तहत सामुदायिक विकास परियोजना के आर्थिक मदद से यहां पुस्तकालय का भवन निर्माण कराया गया था। प्रखंड स्तर के इस पुस्तकालय के संचालन हेतु शिक्षा विभाग से आर्थिक मदद दी जाती थी ।उस समय पंचायत एवं प्रखंड के लोग इस पुस्तकालय के आजीवन सदस्य थे।लाइब्रेरी में मूल्यवान पुस्तकों का भंडार हुआ करता था ।वर्तमान में लाइब्रेरी का भवन धराशायी हो गया हैं।काफी पुस्तके,टेबुल,कुर्सी वर्षा के पानी से नष्ट हो गये है। शिक्षा विभाग लाइब्रेरी को पुनर्जीवित करने को लेकर उदासीन बना हुआ है। पंचायत के मुखिया खुदीराम मोहली एवं ग्रामीणों ने जिले के उपायुक्त से लाइब्रेरी का भवन निर्माण कराने की गुहार लगायी हैं । गांव के निशित गोराई ने बताया हैं कि गांव के एक बिद्यालय का कुमिरदहा मध्य विद्यालय के साथ विलय कर दिया हैं।उस विलय के बाद से बिद्यालय के अनुपयोगी भवन में ताला लटका हुआ हैं।उस बंद बिद्यालय भवन में लाइब्रेरी संचालन किया जा सकता हैं।

आंधी तूफान से गिरे पेड़ व बिजली खंभे फसलों को हुआ भारी नुकसान

बड़कागांव । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। बड़कागांव शनिवार को देर शाम आई आंधी व पानी से काफी क्षति हुई है। जगह-जगह पेड़ वह बिजली खंभे गिर गए। फसलों को काफी नुकसान हुआ है। आंधी से क्षेत्र के दर्जनों पेड़ टूटकर गिर गए या कहीं कहीं जड़ से कबड गए। कई कोरकेट सीट भी उड़ गए। अत्यधिक तेज आंधी तूफान और बारिश के कारण पेड़ के डालियां बिजली के तार खंभे गिर गए जिससे बिजली आपूर्ति बाधित हो गई है। बिजली के तार टूटने खंभे गिरने की सूचना बिजली विभाग के एसडीओ सत्यदेव कुमार ने दी है।

समाजसेवी ममता कुमारी के द्वारा राम भक्तो को चना सरबत पिलाया गया

बड़कागांव । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। बड़कागाँव प्रखण्ड के अंतर्गत आदर्श गांव चेपाखुर्द में समाजसेवी ममता कुमारी के द्वारा नवमी के दिन मे चना सरबत राम भक्तो को पिलाया गया। ये सेवा 8 वर्षो से किया जा रहा है। और आगे भी करती रहेगी ।जिसमे जुगरा, आराहरा, चेपाखुर्द के रामभक्त को चना , सरबत पिलाया गया।महिला शुरू से ही समाजसेवा में आगे है।जिसमे मुख्य रूप से सहयोग कर रहे आशिष कुमार साव, जिबलाल साव, बब्लू कुमार, अभिषेक कुमार, अनिल कुमार, राजू कुमार एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

बड़कागांव में बेमौसम बारिश से लोगों को गर्मी से राहत, किसानों का फसल नुकसान

बड़कागांव । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। प्रखंड में ठंड के बाद गर्मी लोगों को महसूस होने लगा था लेकिन अचानक बेमौसम बारिश होने के कारण बड़कागांव प्रखंड वासियों को गर्मी से थोड़ा राहत महसूस हुआ है लेकिन वही किसानों को काफी नुकसान पहुंचा है।बताते चलें कि बेमौसम बारिश होने के कारण किसान को सबसे ज्यादा प्याज गेहूं तथा दलहन की खेती को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाई है। वहीं तेज आंधी और बारिश होने के कारण बिजली विभाग के भी बड़े-बड़े दावे का पहली ही हवा बारिश में पोल खुल गई। जिससे बड़कागांव प्रखंड वासियों को बिजली समस्या का सामना करना पड़ा। गनीमत यह रहा कि बिजली विभाग को रामनवमी जुलूस का बहाना मिल गया।

सांसद जयंत सिंहा ने कुम्हरडीहा में मूर्ति भेंट की

बड़कागांव । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। प्रखंड अंतर्गत नयाटांड़ पंचायत के कुम्हरडीहा में हजारीबाग सांसद जयंत सिन्हा के द्वारा नव निर्मित मंदिर में योगदान स्वरूप मूर्ति का सहयोग किया गया । ग्रामीणों के एक प्रतिनिधि मंडल ने भाजपा सांसद प्रतिनिधि पूनम साहू के नेतृत्व में नव निर्मित मंदिर के लिए मूर्ति का सहयोग सांसद से प्राप्त किया । हजारीबाग सांसद ने कुम्हरडीहा में नव निर्मित शिव मंदिर में शिव परिवार मूर्ति भेंट की। मौके पर उपस्थित सांसद प्रतिनिधि मनीष पांडे, प्रभु सिंह, छोटे सिंह, अरघु महतो, पूर्व मुखिया अशोक महतो, हेमन महतो, जगत पाल ठाकुर, मुरली महतो, पप्पू प्रजापति, पप्पू सिंह, ब्रह्मदेव रवानी, निर्मला देवी, गुप्तेश्वर सिंह, परमेश्वर महतो, सरिता देवी, राजेंद्र महतो, तिलेश्वर ठाकुर, सुमित्रा देवी, पंकज ठाकुर, एवं कूमरडीह के समस्त ग्रामीण उपस्थित थें।

कांग्रेस ने चरणबद्ध आंदोलन करने का लिया निर्णय

निरसा । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। प्रखंड कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष डीएन प्रसाद यादव ने शनिवार को निरसा में पत्रकार वार्ता में कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी की सदस्यता रद्द किए जाने की निंदा की। उनके कहा कि जनता को जागरूक करने एवं देश में हिटलर शाही मोदी सरकार को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए चरणबद्ध आंदोलन पूरे निरसा विधानसभा में हर पंचायत व वार्ड में चलाया जाएगा। जनता को केंद्र के मोदी सरकार एवं अंध भक्तों के द्वारा हर सच्चाई पर गुमराह करने के लिए कांग्रेस पार्टी को परेशान किया जा रहा है। अपने आप को पाक साबित करने के फितरत में रहते हैं। लेकिन अब जनता जाग चुकी है। देश त्राहिमाम में है। जनता दिन गिन रहे हैं कि कब जवाब देने का मौका मिलेगा। सरकार कारखाने को बेचने में कामयाब हैं। कांग्रेस गांव की ओर चले कार्यक्रम करेगी। मौके पर अध्यक्ष डीएन प्रसाद यादव, प्रभारी नवनीत सिंह, नीरज, मंटू दास, अर्जुन भुइयां,संतोष कुमार राय, मनोरंजन तिवारी, दीपक कुमार मिश्रा, श्री राम चौरसिया, नंदन भुईयां, महेंद्र सहनी, छात्रवर्ली भुइयां ,रेखा साव, आशिक अंसारी, कृष्णा भईया, मुकेश बरनवाल वीरेंद्र राम आदि थे।

Rethinking Reservation Criterion

PROFESSOR M.C.BEHERA

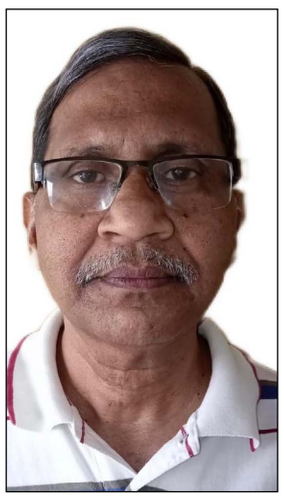

Jharkhand dekho /desk :Second half of March, 2023 is an eventful week in Indian democracy that engages our attention on the issue of reservation. On March 24, 2023 Andhra Pradesh Assembly has passed resolution to provide SC status to Dalit Christians. There are also demands to include Dalit Muslims in the SC list. The state government argue that the socio-economic status of Dalit Christians is at par with that of Dalits who practise Hinduism; these converts 'live in the same horizon in the outskirts of the villages, follow the same traditions and customs and suffer humiliation, discrimination in the society and none of these things change by a person converting into one or another religion'. It is further added that 'what religion one practices is an individual's choice and it should not have any bearing on determination of the caste.' The advocates of inclusion also refer to the Report of Justice Ranganath Mishra Commission which favoured Scheduled Caste status for Dalits in all religions. They also invoke Art.14 and Art.15 of the Constitution. Another resolution of the same government recommends inclusion of Boya/Valmiki community (and all synonyms) of the state in ST list, though the community reside in Karnataka and Telangana. The reason is that the community has been demanding the status since 1961. On March 24,2023 the Bommai government of Karnataka scrapped existing 4% reservation for Muslims under OBC quota and added them to 10% reservation availed by EWS (Economically Weaker Section of unreserved communities). Reservation quota released from OBC Muslims is added to the quota of Vokkaliga and Panchamasali Lingyat communities. The government urges upon the Central government to amend the Constitution to include converts and others in relevant lists. It should be mentioned that in case of scheduling SCs, the Constitution (Scheduled Castes) Order 1950 mentions eligibility of communities from Hinduism, Sikhism and Buddhism.

On March 26, 2023 representatives of almost all the tribes of the state, such as Bodos, Rabhas, Mishings, Dimasas, Tiwas, Karbis, tea tribes and Sonowal-Kacharis, from 30 districts of Assam organised protest March in Guwahati demanding a ban on religious conversion of tribals across the state and delisting those people who have converted to other religions.

On March 28, 2023 Dalit Christians and Muslims, under the banner of the National Council for Dalit Christians and allied Dalit Christian and Dalit Muslim, held demonstration for SC status at Jantar Mantar, New Delhi.

This is the tip of the iceberg on the issue of reservation. Communities like Maratha, Gujjar, Patel, and several communities under de-notified, nomadic and semi-nomadic category, who were labelled as criminal tribes by the British, also demand for reservation status. Criminal-tribe category was created, among other things, with the same mind-set that created the tribal category. We can argue that the reservation strategy has meted differentiated treatment to undifferentiated people. This is further evident with the reservation given to Economically Weaker Section (EWS). This means they were also at par SCs and STs in terms of economic backwardness. Or, did they become so in the process of development? Further, reservation strategy also meted undifferentiated treatment to differentiated people, for it considered tribes both in general and specific sense as homogenous. Non-homogeneity was the reason for which a special group, called Particularly Vulnerable Tribal Group (PVTG) consisting 75 communities, has been carved out from among the STs for special treatment.(Ministry of Tribal Affairs ,Government of India,Annual Report 2008-09) Reservation policy could not benefit them and so their socio-economic indicators were abysmally low.

A question arises, when the policy could not benefit different ST communities equally leading to creation of PVTGs, has it been able to treat people equally within a community? By bifurcating PVTGs, has the policy removed inter-tribe differences? Empirical situation however, proves to the contrary. In tribal communities we find emergence of political and economic classes, the elite section to be specific. Obviously, the policy has not been effective in objective realisation, for the people in a community though not completely egalitarian were not visibly differentiated before exposure to development forces. Inequality is at its glare after experiment with reservation policy. Beside intra-tribe inequality, the policy has also failed to achieve overall goal. It is evident when studies place tribes as the most marginalised and deprived communities in terms of socio-economic indicators. It should be remembered that the social aspect of life in a traditional society is not same as it reflects through socio-economic indicators of development. The former has subjective perception while the latter is amenable to objective measurement. Perhaps social basis of economic backwardness is not a right criterion adopted in reservation strategy for the development of weaker sections.

Inequality has the tendency to perpetuate. The elite section has acquired outlook and resource to provide better education and skill for their children in better institutes, which the children of non-elite section within the same community are deprived up. The children of elite section have double way benefits. They are entitled to financial benefits of reservation like others, and additionally, have parental resource to bank upon. Undoubtedly, they have more resources under their command than the children of non-elite section. In the job market, the competition takes place between two unequal contenders with the natural tilt towards the advantageous one.

In November, 2022 some 35 ST communities of Andhra Pradesh opposed the plan of the government to enlist Boya, Valmiki and Bentho-Oriya communities in ST category. In January 2018, a protest of the tribes of Telangana against the Lambadis of their group was recorded. The former alleged wrongful inclusion of the Lambadis in the ST list in 1976 that enabled the latter to garner benefits of education and employment due to them. In 2007 Meena community of Rajsthan vehemently opposed the Gujjars over the demand for inclusion in ST list. However, they distanced themselves in 2008 protest. In August 2016 tribal bodies in Assam opposed granting ST status to six communities Moran, Muttock, Koch-Rajbonshi Tai Ahom Chutia and Adivasi (known as tea tribes). The point is clear. When there is inter-community bickering over the share of state resources, there is also fear of greater competition and less chance of sharing reservation benefits if new communities are listed as STs. The tendency of perpetuation of inequality underlies an advantaged tribe's opposition to new entry or fighting any opposition from other communities.

Emerging situation engages our attention to an objective scrutiny of the basis of economic backwardness linked with social backwardness which became the guideline of listing communities under ST/SC category. In traditional society, economic was not separated from social status. In fact all aspects of social life, political, economic, social, etc. were integrated and reinforced upon each other. In post-colonial India, integration of all aspects of life does not reflect in the process of development. A 'Brahmin' has as much the right to teach as a 'Shudra'. Caste basis of occupation has crumbled down. Arguably, social basis of determining economic backwardness for reservation and its continuity till date underlie contemporary social, political and economic crises. Undeniably, it is the right time to revisit the reservation policy in a right perspective. It is furthermore necessitated as the reservation for development has not improved the conditions of the entitled people as desired; rather the development process has created more cross-community demands for reservation.

The subtle impact on outlook of categorised people is not a secret. Everyone thinks in terms of category one belongs to. This outlook has been exploited by the politicians. As a result, on the altar of the categorisation outlook, whether community or ideology, national perspective stands at a distance. Reservation beyond categorisation offers possibility for garnering greater national outlook and effective benefits across the economically backward communities. The sections of SC and ST communities who are still economically lagging behind would have greater access to development opportunities; and politicians might not be able to use these communities as bait for vote bank politics. The idea of caste and community which gets reinforced through category based reservation will be gradually rationalised. In fact, category based reservation criterion has lost its strength with the creation of EWS across communities and treatment of religious minorities in one or the other categories.

The demand and the counter demand on the matter of listing and delisting communities in SC, ST and OBC lists bring forth conflicting issues. Both protagonists and antagonists invoke articles of the Constitution. How come the same article carries contradictory meanings? If so, then amendment to the Constitution is an urgent need. Of course, there is a recommendation from the State governments and appeal from concerned people for an amendment of the Constitution to include some communities and section of people in SC/ST list. The question is whether to amend the Constitution as per time to time recommendations by keeping category criterion at the centre, or to root out category-breed problems which give rise to the need of such recommendations and demand. While doing so, national interest and safeguard to really needy people across communities, but not political and elite interests, should be considered at the time of the criteria formation. Our census report (socio-economic data) shall be a useful guide to identify the real people for reservation benefit. Obviously, in every 10 years the list can be renewed and the result evaluated.

(Rajiv Gandhi University, Rono Hills, Doimukh, Itanagar,Papum Pare District,Arunachal Pradesh-791112, Email: mcbehera1959@gmail.com;The views expressed by the author are his own and in no way the Editor be held responsible for the them—Editor.)

क्षणिकाएँ

द्वंद्व

द्वंद्व की बात है कि,
राजनीति में,
एक तरफ,
जहाँ कोई,
अन्याय व अधर्म के विरुद्ध,
सत्य के लिए,
सच्चाई की जीत के लिए,
औरों के विश्वास को,
जोड़ने को,
संधि – समास को,
अड़ते है,
लड़ते है,
आग्रह करते है;
वहीं,
दूसरी ओर,
जनता से,
कुर्सी के लिए,
राजनयिक सुख के लिए,
सत्ता के लिए,
मनोविकारी तौर पर,
आग्रह करते है,
दुस्साहस करते है.

राजनयिक धर्म

वो,
मधुर बातों से,
छन्द, लयबद्ध गीतों से,
बहुरंगी आचरणों से,
जनता को,
खूब लुभाते है,
सपने दिखाते है,
हंसाते है,
गले लगाते है,
इतना अधिक जताते है,
सबका हितैषी बताते है;
पर,
बिडंबना भी जानिए
कि,
वो,
उलूल–जुलूल बातों से,
खोखली इरादों से,
जनता को पकाते है,
घपले– घोटालें से,
जबरदस्ती सौदों से,
घर अपने व रिश्तेंदारों का भी,
बेशक भरते जाते है,
शायद इसी को,
वो ,
सही मायनें में अपना,
राजनीतिक धर्म बताते है?

बिडंबना

इसे,
बिडंबना समझे या कहे
वक़्त का तकाजा,
कि ,
बदलते हालात से,
विश्वासघात से,
बातों से,
इरादों से,
वो ,
किये कामों से,
ऐंठे दामों से,
ईमान से,
अब पछताने लगे है,
दिल से घबराने लगे है,
भगवान से,
स्वार्थ सम्मान से,
डर खाने लगे है,
इतना कि,
हक में उसके,
न्याय संगत,
तर्क संगत,
फैसला सुनाकर भी
जाने क्यों?
घबराने लगे है?
पछताने लगे है?
किंकर्तव्यविमूढ़ की बात मानें या विचलनशीलता कोई या
विकास के राहों का बदलाव
या बर्बादियों का,
जुल्मियों का,
खुला गुनाहों का सिलसिला,
कैसा सवाल है आया सामने?
हालत समझिये,
मजबूरी जानिये
उन आँखें की,
कि,
कैसे नजरें मिलाएं भला?
दुनिया से,
बिवशता देखिये उसकी?
किया जो उसने खता है!
कि,
मन ने आज,
दिल से,
आहत हो,
राहत को,
मन से एक पत्र लिखा ,
पर ,
पत्र का मजमून भी ऐसा कि,
दिल कोई समझ न पाए,
क्योकि उसने,
खत के ऊपर
लिखा जो कोई पता नहीं है.

प्रस्तुति
डॉ विनोद कुमार शर्मा
असिस्टेंट प्रोफेसर
(नैदानिक मनोवैज्ञानिक)
विभागाध्यक्ष,
स्नातकोत्तर मनोविज्ञान विभाग
सिकामु विवि, दुमका.

'ग्रामीण बालिकाएं और उनकी सोंचनीय स्थिति'

ट्रां परिवार के भरण–पोषण वाली कई गतिविधियों में ग्रामीण लड़कियों की हिस्सेदारी होती है हालांकि इसे मजदूरी नहीं माना जाता है। शहरी या उपभोग वस्तुओं के उत्पादन की तरह इनका मूल्य नहीं चुकाया जाता है। उन्हें अक्सर भुला दिया जाता है। अतः बाल मजदूरी की परिभाषा के दायरे में रहकर अनेक अध्ययन लड़कियों के पारिवारिक कामों को बाल मजदूरी से अलग रखते हैं। फिर भी कई अर्थों में ऐसा विभाजन इन कामों के सामाजिक एवं आर्थिक पहलुओं को नजरअंदाज करता है। इसका एक कारण यह है कि आर्थिक सिद्धांतों में ऐसे कामों की कोई गिनती नहीं की जाती है हालंकि गरीब परिवारों की अर्थव्यवस्था की यह गतिविधियां प्रभावित करती है। लड़कियों के मामले में यह चुप्पी और भी रहस्यमयी होती है क्योंकि उनके द्वारा किये जाने वाले कार्यों को स्त्री–सुलभ कार्यों की श्रेणी में शामिल किया जाता है। ग्रामीण समुदायों में लड़कियों के कार्यों के अध्ययन अक्सर उनके काम की संरचना अथवा उनसे जुड़े मतलबों को नजरअंदाज करते हैं। पांच साल की बच्ची भी कैसे खेत पर अपने छोटे–भाई बहिन को संभालते हुए पक्षी भगाने का काम करती है या पानी लाती है। यह दृश्य गाँवों में आम है। आठ साल की आयु में लड़की का योगदान औरत के बराबर पहुँच जाता है। लिंग भेद पर आधारित घर की दिनचर्या से लड़कियाँ बचपन में ही रूबरू हो जाती हैं। वे इसे अपनी नियति मान लेती हैं। और इसी परिणामस्वरूप उन्हें समाज के आर्थिक कार्यो से काटकर रखा जाता है और उनके पारिवारिक कार्यों को बच्चे पालना या घर की देखभाल को निचले दर्जे का स्थान दिया जाता है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था में लड़कियों का काम इतना कम दृश्य है कि अक्सर उसका अस्तित्व ही भुला दिया जाता है। दायरे में लड़कियों में कार्यों को देखा जाये तो यह आभास हो जायेगा कि बालिका का कार्य मजदूरी के कितना नजदीक है। भारतीय परिस्थिति में कुछ लड़कियाँ पारिवारिक इकाइयों में काम करती हैं जबकि अन्य दिहाड़ी पर काम करती हैं। उन्हें उनके काम की प्रकृति के आधार पर अलग–अलग वर्गीकृत किया गया है। घरेलू कार्य, अनुबंधित कार्य, वैतनिक श्रम, गैर घरेलू तथा गैर मौद्रिक कार्य। माता–पिता की निम्न तथा अनियमित आय, परिवार की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति बच्चों को काम करने के लिए तथा पारिवारिक आय में पूरक बनने के लिए बालिकाएं मजदूरी करती है। भारत में सामजिक आर्थिक स्थितियां तथा माता–पिता एवं नियोजकों का रवैया भारत में बालिका मजदूरों की दयनीय दशा की जिम्मेदार हैं। वे दबावपूर्ण स्थितियों में काम करती है जो कई बार जानलेवा भी होता है। आयु वर्ग के हिसाब से लड़कों की अपेक्षा लड़कियाँ श्रम बाजार में कम उम्र में प्रवेश करती हैं। जहाँ 20 वर्ष से कम आयु की 20 प्रतिशत लड़कियाँ मजदूर हैं वहीं लड़कों में यह प्रतिशत 14 है। 5–14 साल के बीच की भारतीय लड़कियाँ श्रमशक्ति में बड़े पैमाने पर विद्यमान है। उनमें से कुछ मजबूर है या अनुबंधित है तथा यहाँ तक कि कुछ को चकलाघरों में बेच दिया जाता है। भिन्न–भिन्न आर्थिक तथा सामाजिक–सांस्कृतिक परिस्थितियों के अंतर्गत लड़की को वस्तु के रूप में देखा जाता है उसे सस्ते श्रम का स्रोत तथा समाज पर बोझ समझा जाता है। श्रमिक बालिकाओं के आंकड़े समस्त अनुबधित मजदूर निर्माण मजदूर, घरेलू नौकरानी, बागान मजदूर और अन्य अपरिचित क्षेत्रों के श्रमिकों का व्यापक प्रतिविम्ब है। सन 1991 के जनसांख्यिकी आंकड़ों के अनुसार शहरी क्षेत्रों की अपेक्षा ग्रामीण क्षेत्रों में बालिका मजदूरों की संख्या अधिक है। कुल श्रमिक बालिकाओं का 90% ग्रामीण क्षेत्रों में रहता है जबकि सिर्फ 10% शहरी क्षेत्रों में विद्यमान है। शहरी क्षेत्रों में कार्यरत बालिकाएँ समान्यतः स्लम बस्तियों तथा झोपड़ी पट्टी इलाकों में रहती हैं और ऐसे परिवारों से सम्बन्ध रखती है जिनकी आर्थिक स्थिति बहुत ×खराब होती है । असंगठित क्षेत्रों में वे बड़ी संख्या में काम करती हैं । नेशनल कमीशन ऑन लेबर के अनुसार बच्चों का रोजगार विशेषकर लड़कियों का रोजगार संगठित क्षेत्रों ,जैसे सूत कातना, बुनना, पत्थर तोड़ना, गारमेंट सिलाई, हेन्डीक्राफ्ट पेंट बनाना और सड़क निर्माण के कार्यों में भिन्न–भिन्न में दिखाई देता है। देह व्यापार में बालिकाओं का शोषण सर्वज्ञात है। भारत में बाल वेश्यावृत्ति तेजी बढ़ रही है और यहाँ कम उम्र की लड़कियों की मांग बढ़ रही है। धार्मिक स्थलों पर बलिका भिखारिनें बड़ी संख्या पायी जाती है। भिखारियों के परिवार में बच्चे आय का सबसे बड़ा स्रोत होते हैं भारत के सात बड़े शहरों में फुटपाथ पर रहने वाले बच्चों की संख्या काफी है। एवं उनमें से बहुत सी निराश्रित तथा अनाथ लड़कियाँ है जो बालिका मजदूरों का अन्य समूह बनाती है जिसके बारे में बहुत कम जाना जाता है। उन्हें या तो गैंग के सदस्यों द्वारा काम पर लगाया जाता है या फिर कुछ समाज–विरोधी समूह सामान छीनने, जेब काटने आदि कार्यों में उनका उपयोग करते हैं। इस रूप में उनका श्रम गैंग के नेता अथवा मालिकों द्वारा इस्तेमाल किया जाता है। अनौपचारिक क्षेत्रों में लड़कियाँ बड़ी संख्या में कार्यरत है। बड़ी संख्या में लड़कियाँ घरेलू कामगार के रूप में कार्यरत हैं जिसे जनसांख्यिकी आंकड़ों में नहीं दिखाया जाता। हालाँकि बालिका मजदूर हर जगह मौजूद है तब भी ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों में इसकी व्यापकता को सूचित करने वाले सही आंकड़े विद्यमान नहीं है। अतः बालिका मजदूर सम्बन्धी अधिक आंकड़ों की आवश्यकता है। श्रमिक बालिका मूलतः सामाजिक–आर्थिक परिस्थितियों की प्रबलता का परिणाम है जिससे वे उनके अधिकारों तथा आवश्यकताओं से वंचित हो जाती हैं। लड़कों की अपेक्षा लड़कियों को लघु कार्यों में संलग्न दिखाया जाता है। लड़कियों के लिए काम का चयन करते समय परिवार के सदस्य, रिश्तेदार, दोस्त तथा परिचितों द्वारा विशेष ध्यान रखा जाता है। मालिकों द्वारा लड़कियों का अत्यधिक शोषण किया जाता है जो उन्हें घर अथवा कार्यस्थल से बाहर काम करने पर बहुत कम पैसे देते हैं। 1981 के जनसांख्यिकी आंकड़े दर्शाते हैं की लगभग 15 साल की उम्र की 100 में से एक लड़की शहरी क्षेत्रों में मजदूरों का कार्य करती है। जबकि ग्रामीण क्षेत्र में सौ में से चार लड़कियाँ मजदूरी का काम करती है। ईन सब नियम कानून पारित होने के बाद भी ग्रामीण बालिकाएं शोषण का शिकार हो रही है जिनके उत्थान के लिए स्पष्ट कोई कानून नहीं है। आज भी कार्य के नाम पर लड़कियों को बेच दिया जाता है और बंधुआ बना दिया जाता है। बेहद सोंचनीय स्थिति है।

पूजा गुप्ता
मिर्जापुर (उत्तर प्रदेश)

अपनी वजहों से बीजेपी और संघ की तारीफ कर रहा अमेरिका का राइट विंग

इन दिनों भारतीय संसद सत्ता पक्ष और विपक्ष में अभूतपूर्व टकराव का सामना कर रही है। बीजेपी और इसके मातृ संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के लोकतंत्र संबंधी एवं अन्य विचारों को लेकर चर्चा भी पूरी दुनिया में गर्म है। ऐसे ही समय में अमेरिका के सामरिक विशेषज्ञ और मशहूर अखबार 'वॉल स्ट्रीट जर्नल' के स्तंभकार वॉल्टर रसेल मीड ने बीजेपी के अंतरराष्ट्रीय महत्व पर एक दिलचस्प लेख लिखा है। इस लेख को देश का दक्षिणपंथी खेमा इस रूप में ले रहा है जैसे बीजेपी और आरएसएस के विचारों को वैश्विक मान्यता मिल गई है।

सच यह है कि मीड अमेरिकी सामरिक हितों को बढ़ाने वाली नीतियों के लिए माहौल बनाने में लगे रहते हैं। वह दक्षिणपंथी विचारों वाले व्यक्ति हैं और दक्षिणपंथी अमेरिकी संस्थान हडसन इंस्टिट्यूट से भी जुड़े हैं। अपने वैचारिक रुझानों के कारण बीजेपी को लेकर वह जरूरत से ज्यादा नरम हैं। उनकी नरमी का एक उदाहरण यह भी है कि मीड ने अपने इस चर्चित लेख में 2024 में मोदी सरकार के वापस आने की संभावना तक व्यक्त कर डाली है।

फिर भी, मीड के लेख के कुछ महत्वपूर्ण मुद्दे गौरतलब हैं। उन्होंने बीजेपी की तुलना उन तीन पार्टियों और संगठनों से की है जो लोकतांत्रिक विचारों और अभिव्यक्ति की आजादी में यकीन नहीं करते। ये तीन संगठन हैं- इजिप्ट का मुस्लिम ब्रदरहुड, इस्राइल की लिकुड पार्टी और चीन की कम्युनिस्ट पार्टी। ध्यान रहे, राहुल गांधी ने भी पिछले दिनों विदेश में दिए अपने वक्तव्य में आरएसएस की तुलना मुस्लिम ब्रदरहुड से ही की थी, जिस पर काफी हाय-तौबा मचाई गई।

हालांकि संपूर्णता में देखा जाए तो इसमें संदेह नहीं कि मीड का यह लेख पश्चिम में बीजेपी की छवि सुधारने के प्रयास का हिस्सा है। वह कहते हैं कि बीजेपी के बारे में भारत से बाहर के लोगों की समझ कमजोर किस्म की है क्योंकि वह ऐसी राजनीतिक और सांस्कृतिक विरासत में पली-बढ़ी है, जिसके बारे में उन्हें पता नहीं है। बीजेपी और संघ यही दलील पहले से देते रहे हैं। लेकिन दो वजहों से इस दलील को ज्यादा अहमियत नहीं दी जा सकती:

-अव्वल तो यह कि संघ का सोचा-समझा रवैया इस दलील को मजबूती देने का लगता है। संघ कभी अपने विचारों को खुलकर नहीं रखता। उसने गोपनीयता और रहस्य का एक पर्दा अपने चारों ओर सदैव बनाए रखा। लोकतंत्र के बदले व्यक्तिपूजा में विश्वास करने के बावजूद उसने कभी साफ-साफ यह नहीं कहा कि वह अधिनायकवाद में यकीन करता है। वह लोकतंत्र को कभी पश्चिम से आयातित पद्धति बताता है तो कभी इस बात का गौरव करता है कि भारत में प्राचीन काल से गणतंत्र है। इस तरह का भ्रम और उलझन बनाए रखते हुए संघ यह शिकायत भी करता है कि उसे ठीक से समझा नहीं गया। अपनी हर गंभीर आलोचना पर वह यही कहता है कि उसे समझे बगैर उसकी आलोचना की जाती है।

-दूसरी बात यह कि कई ऐसे विचारक हैं, जिन्होंने काफी गहरे अध्ययन के बाद संघ की आलोचना की है। अगर संघ अपनी आलोचनाओं को स्वीकार करते हुए उस पर विमर्श को आगे बढ़ाने वाली लोकतांत्रिक चेतना से लैस संगठन होता तो इन आलोचनाओं से उलझता, इनका जवाब देता और फिर उन जवाबों को बहस का विषय बनने देता। चूंकि ऐसा नहीं है, इसलिए संघ हर आलोचना का उत्तर इस शिकायत के साथ देता है कि आलोचक उसे समझने की कोशिश ही नहीं करते।

बहरहाल, मीड के लेख पर वापस लौटें तो वह भारत में लोकतंत्र और मानवाधिकार हनन के मसले पर संघ-बीजेपी का बचाव करते हैं और कहते हैं कि भारत एक जटिल इलाका है:

-मीड इस तथ्य की ओर ध्यान दिलाते हैं कि किस तरह ईसाई बहुल पूर्वोत्तर में बीजेपी को राजनीतिक सफलता मिली है और इस ओर भी कि 20 करोड़ आबादी वाले उत्तर प्रदेश में पार्टी को शिया मुसलमानों का खूब समर्थन मिला हुआ है। सवाल है कि क्या पूर्वोत्तर में ईसाइयों और उत्तर प्रदेश में शियाओं का वोट पाने में मिली सफलता के सहारे अभिव्यक्ति की आजादी के हनन और अल्पसंख्यकों के खिलाफ भीड़ की हिंसा का बचाव किया जा सकता है।

-यह भी ध्यान देने योग्य है कि मीड का आख्यान मुख्यतः बीजेपी, आरएसएस के नेताओं से उनकी सघन मुलाकातों पर आधारित है। उन्होंने जिन दो महत्वपूर्ण लोगों से मुलाकात का जिक्र किया है, वे हैं सरसंघचालक मोहन भागवत और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

-मीड का जोर इस बात पर है कि 'उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री का पद संभाल रहे हिंदू संन्यासी' ने अपने राज्य में पूंजी निवेश और विकास की चर्चा की।

-मीड इसका जिक्र भी करते हैं कि योगी हिदुत्व के आंदोलन में कट्टरपंथी विचार रखने वालों में से हैं और कभी-कभी वह प्रधानमंत्री मोदी के उत्तराधिकारी भी बताए जाते हैं। क्या इससे यह जाहिर नहीं होता कि अमेरिका का दक्षिणपंथी समूह बीजेपी में नेतृत्व-परिवर्तन पर भी अपनी नजरें टिकाए हुए है?

अमेरिका के सामरिक विशेषज्ञ और मशहूर अखबार 'वॉल स्ट्रीट जर्नल' के स्तंभकार वॉल्टर रसेल मीड ने बीजेपी के अंतरराष्ट्रीय महत्व पर एक दिलचस्प लेख लिखा है। इस लेख को देश का दक्षिणपंथी खेमा इस रूप में ले रहा है जैसे बीजेपी और आरएसएस के विचारों को वैश्विक मान्यता मिल गई है।

दिलचस्पी की वजह

अहम सवाल यह है कि आखिर इस अमेरिकी विशेषज्ञ की बीजेपी में दिलचस्पी की क्या वजह है। लेख की शुरुआत में ही वह कहते हैं, 'अमेरिकी राष्ट्रीय हितों के लिहाज से भारत की सत्ताधारी बीजेपी दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण विदेशी राजनीतिक दल है।' वह आगे बताते हैं कि चीन को संतुलित करने के अमेरिकी प्रयासों की सफलता के लिए बीजेपी की मदद जरूरी है। उन्होंने हिंदू राष्ट्रवाद की विचारधारा को समझना अमेरिकी उद्योगगपतियों, कूटनीतिज्ञों और नीति-निर्धारकों- सभी के लिए जरूरी बताया है।

यह साफ नजर आता है कि मीड को इसकी चिंता नहीं है कि यह विचारधारा विविधताओं से भरे भारत में यहां के ताने-बाने पर क्या असर डालेगी। उन्हें यह चिंता भी नहीं है कि लोकतंत्र और मानवतावाद के वैश्विक विचारों पर इन संकीर्णतावादी विचारधाराओं का क्या असर होगा। उनकी चिंता के केंद्र में बस यही सवाल है कि अमेरिकी हितों की सुरक्षा कैसे सुनिश्चित होगी। बीजेपी-आरएसएस को मिले उनके समर्थन को इस संदर्भ में देखा जाए तो दोनों की असलियत को बेहतर ढंग से समझा जा सकता है।

धर्मस्थलों को सुरक्षित बनाएं

इंदौर के बेलेश्वर महादेव झूलेलाल मंदिर में रामनवमी के दिन हुआ हादसा जितना त्रासद और दुर्भाग्यपूर्ण है, उतना ही विचारणीय भी। रामनवमी के मौके पर मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ लगना कोई अप्रत्याशित बात नहीं थी। जाहिर है भीड़ को संभालने के लिए जिस तरह की चाक-चौबंद और चौकस व्यवस्था होनी चाहिए थी, उसका वैसे ही अभाव था जैसे आम तौर पर मंदिरों में होता है। मिली जानकारी के मुताबिक, मंदिर के अंदर बावड़ी को ढकने वाले स्लैब पर भी काफी लोग इकट्ठा हो गए थे। कोई उन्हें रोकने वाला या यह बताने वाला नहीं था कि यह स्लैब कमजोर है और ज्यादा लोगों का बोझ नहीं वहन कर सकता। वही हुआ भी। अचानक स्लैब धंस गया और उस पर खड़े तमाम लोग नीचे कुएं में गिर गए। मामले की जांच के आदेश तत्काल दे दिए गए। मृतकों के परिजनों और घायलों के लिए मुआवजा राशि घोषित करने में भी सरकार ने देर नहीं लगाई। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि आखिर क्यों हमें बार-बार विभिन्न धार्मिक स्थलों से ऐसे हादसों की खबरें सुनने को मिलती हैं? कभी किसी मंदिर की छत गिर जाती है तो कभी रेलिंग का हिस्सा टूटकर गिर जाता है। क्यों इन मंदिरों और अन्य धर्मस्थानों की मरम्मत और रखरखाव की व्यवस्था पर नजर नहीं रखी जाती? कानून के अनुरूप, उनकी जिम्मेदारी क्यों नहीं तय हो पाती? ताजा हादसे का भी यह एक अहम पक्ष है। मंदिर के अंदर स्थित बावड़ी को इस तरह ढका जाना गैरकानूनी तो था ही, स्थानीय प्रशासन को इसकी जानकारी भी थी। इस बारे में नोटिस भी दिया गया था। खबरों के मुताबिक जनवरी के आखिरी हफ्ते में इंदौर नगर निगम ने मंदिर के ट्रस्ट को अल्टीमेटम दे दिया था कि अगर एक सप्ताह के अंदर इस स्लैब को नहीं हटाया गया तो जबरन हटा दिया जाएगा और उसका खर्च मंदिर प्रबंधन से लिया जाएगा। नगर निगम का यह रुख बिल्कुल सही था। लेकिन इसके बाद हिंदू समुदाय की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप लगने लगे। कहा जाने लगा कि नगर निगम प्रशासन मंदिर के अंदरूनी मामलों में बेवजह दखल दे रहा है। ऐसा लगता है कि कथित तौर पर हिंदू समुदाय की धार्मिक भावनाओं का वास्ता दिए जाने के बाद नगर निगम दबाव में आ गया। संभवतः इसीलिए जो काम एक सप्ताह की समय सीमा समाप्त होते ही शुरू हो जाना चाहिए था, उस दिशा में दो महीने बाद भी कोई प्रगति नहीं हुई। नतीजा यह कि रामनवमी के मौके पर श्रद्धालुओं को अपनी जान देकर इस लापरवाही की कीमत चुकानी पड़ी। आखिर कथित धार्मिक भावनाओं के नाम पर हमारी कानून व्यवस्था से जुड़ी एजेंसियां अक्सर लाचार क्यों दिखने लगती हैं? यह स्थिति बेहद खतरनाक है। एक बात यह भी है कि राज्य सरकारें अपने यहां के धर्मस्थलों का सुरक्षा ऑडिट क्यों नहीं करातीं ताकि ऐसे हादसे रोके जा सकें।

क्या पैरेंट्स अपने अधूरे काम पूरे करने को हमारे साथ होते हैं?

वे महज 15 पैसों में लोगों को रुला देने में सक्षम थीं। जी हां, महज 15 पैसे। उनका हर शब्द मोतियों जैसा दिखता था। वे हमेशा हमारी बेहतरी, अच्छी सेहत और परिवार के बुजुर्गों के लिए आदर की दुआओं के साथ शुरुआत करती थीं और अंत में वे कहती थीं कि मैं आपसे जल्द से जल्द मिलना चाहूंगी।

15 पैसों के उस नीले पत्र में ये दो चीजें हमेशा मौजूद रहती थीं। लेकिन पत्र की शुरुआत और अंत के बीच एक पूरा जीवन हुआ करता था। ऐसा जीवन, जो आपकी आंखें नम कर देता था। आप उस पत्र को सहेज लेना चाहते थे। आप अकेले में उस पत्र को चूम लेते थे। आप पत्र की शुरुआत और अंत के बीच में लिखी बातों को बार-बार पढ़ते थे। आप उससे कभी थकते नहीं थे। उसमें किसी बच्चे के जन्म की खबर होती, शरीर को हो रहे कष्टों का ब्योरा होता, और मनीऑर्डर से भेजे गए 50 रुपयों के लिए बारम्बार शुक्रिया कहा जाता था।

बीते कुछ महीनों से मैं अपनी मां के द्वारा अपने उन सगे-सम्बंधियों और दोस्तों को लिखे पत्रों को संकलित कर रहा हूं, जिन्हें उन्होंने अभी तक सहेजकर रखा है। मेरे लिए मां बहुत लिखने वाली लेखिका थीं। वे हर पत्र में अपनी भावनाओं को उस तरह से भरपूर उड़ेल देती थीं, जैसे कि उन दिनों में दूधवाला बड़ी उदारतापूर्वक हमें अतिरिक्त दूध दे दिया करता था। मैं इस बात को बहुत गहराई से महसूस करता हूं कि कभी-कभी वे मुझे उनके जैसे लिखने के लिए प्रेरित करती हैं।

मुझे यह सब तब याद हो आया, जब मैं एक कार्यक्रम में सहभागिता करने रायपुर पहुंचा। वहां मुझे दुर्ग से कोई 15 किमी और रायपुर से 50 किमी दूर स्थित बोरीगड़का गांव की 19 वर्षीय हिशा बघेल के बारे में पता चला। इस मंगलवार को वे 273 महिला अग्निवीरों की पहली बैच की परेड में शामिल हुई थीं। ये अग्निवीर आईएनएस चिल्का के 2600 रंगरूटों में से थीं।

आईएनएस चिल्का भारतीय नौसेना का एक अग्रणी बुनियादी प्रशिक्षण संस्थान है और ओडिशा के भुबनेश्वर के निकट स्थित है। मुझे यकीन है कि परेड करते समय उनकी आंखें अपने पिता संतोष बघेल को खोज रही होंगी। ऐसा इसलिए है कि भारतीय नौसेना में सम्मिलित होने का सपना उन्होंने अपने पिता के साथ ही मिलकर देखा था। लेकिन वे उन्हें खोज नहीं पाईं।

अप्रैल में जब वो अपना कोर्स पूरा करके घर लौटेंगी, तब न तो उन्हें अपने पिता मिलेंगे, न ही उनका ऑटो रिक्शा। इसका कारण यह है कि संतोष कैंसर के मरीज थे। वे ऑटो रिक्शा चलाते थे और इलाज के खर्च के लिए उन्हें अपना ऑटो रिक्शा बेचना पड़ा था। विगत 3 मार्च को वे कैंसर से जीवन की लड़ाई हार गए।

पिता ने परिजनों से आग्रह किया था कि अगर उन्हें कुछ हो जाता है तो इसकी खबर बेटी को न दें। यही कारण है कि चयन होने तक हिशा को अपने पिता की मृत्यु के बारे में बताया नहीं गया था। हिशा दुर्ग के शासकीय कॉलेज में बीएससी कम्प्यूटर साइंस की बहुत अच्छी छात्रा थीं और पढ़ाई के साथ ही खेलकूद में भी हमेशा अच्छा प्रदर्शन करती थीं।

इसी कारण से उन्होंने कॉलेज में एनसीसी जॉइन किया था और फौज के प्रति उनके मन में बहुत जज्बा था। संतोष ने बेटी को अग्निवीर योजना में शामिल होने के लिए प्रेरित किया। विशाखापट्टनम में हुए अग्निवीर शारीरिक प्रशिक्षण में अव्वल आकर हिशा ने पिता का सपना पूरा कर दिखाया था।

फंडा यह है कि मेरा मानना है हमारे पैरेंट्स अपने अधूरे कार्यों को पूरा करने को हमारे साथ होते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि हम इस दुनिया में उनसे भी बेहतर साबित हों।

दैनिक पंचांग

02 अप्रैल 2023 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	06.33 बजे से
चंद्र	सिंह में	वृष	08.13 बजे से
मंगल	मिथुन में	मिथुन	10.11 बजे से
बुध	मेष में	कर्क	12.24 बजे से
गुरु	मीन में	सिंह	14.41 बजे से
शुक्र	मेष में	कन्या	16.52 बजे से
शनि	कुंभ में	तुला	19.03 बजे से
राहु	मेष में	वृश्चिक	21.18 ब.से
केतु	तुला में	धनु	23.34 बजे से
राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक		मकर	01.39 बजे से
		कुंभ	03.26 बजे से
		मीन	04.58 बजे से

रविवार 2023 वर्ष का 92 वां दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2080 **शक संवत्** 1944
मास चैत्र **पक्ष** शुक्ल
तिथि द्वादशी अहोरात्र।
नक्षत्र मघा अहोरात्र।
योग शुल 03.20 बजे रात्र को समाप्त।
करण बव 17.25 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 11.3 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 04° 44'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871571
जूलियन दिन 2460036.5
कलियुग संवत् 5123
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2549
हिजरी सन् 1444
महीना रमजान
तारीख 10
विशेष वैष्णव कामदा एकादशी, वामन द्वादशी।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
उद्वेग	05.56 से	07.23 बजे तक		शुभ	05.36 से	07.09 बजे तक	
चर	07.23 से	08.51 बजे तक		अमृत	07.09 से	08.41 बजे तक	
लाभ	08.51 से	10.18 बजे तक		चर	08.41 से	10.14 बजे तक	
अमृत	10.18 से	11.46 बजे तक		रोग	10.14 से	11.46 बजे तक	
काल	11.46 से	01.14 बजे तक		काल	11.46 से	01.19 बजे तक	
शुभ	01.14 से	02.41 बजे तक		लाभ	01.19 से	02.51 बजे तक	
रोग	02.41 से	04.09 बजे तक		उद्वेग	02.51 से	04.24 बजे तक	
उद्वेग	04.09 से	05.36 बजे तक		शुभ	04.24 से	05.53 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

आपका राशिफल 02 अप्रैल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): आपके पूंजीगत निवेशों से भी लाभ होगा। पारिवारिक उत्तरदायित्व अधिक रहेगें। पदोन्नति मिलने का योग हैं। आमदनी में वृद्धि होगी। यात्रा में सावधानी बरतें। क्षमता से अधिक कार्य करने से मर्ज बिगड़ सकता है। मनचाहा स्थानान्तरण मिल सकता है। अपने लक्ष्य के प्रति सजग रहें। शुभांक-2-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। बौद्धिक कार्यों में दक्षता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मनः स्थिति से अधिक प्रभावित रहेगा। शुभांक-3-4-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): पुरूषार्थ और कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में आप वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक समय उपलब्धिकारक रहेगा। शुभांक-4-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): मित्तव्ययता रखें क्योंकि रुपये-पैसों की सुविधा आगे मिले न मिले। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष से सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। शुभांक -4-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): निकटस्त व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में बाधा को दूर करेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-3-5-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्यांकन कर लें। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-5-7-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): ज्ञानीजनों का सानिध्य प्राप्त होगा। आध्यात्मिक वातावरण बनेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभांक-1-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य ती यू): विवादों व मुकदमेबाजी से राहत मिलेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंग। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): अवरुद्ध कार्य सम्पन्न होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग मिलेगा। स्वयं को अधिक सक्रिय पाएंगे। शुभांक-3-5-7

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। भ्रातृपक्ष में विरोध की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। धार्मिक यात्रा का योग है। शुभांक-2-5-8

कुंभ (गू गे गो शा सी सू से सो दा): हरि करे सो खरी अतः हानि का कोई भय नहीं, यथावत कार्य जारी रखें। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। शुभांक-3-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): मुंह मांगी मुराद मिलेगी यानि इच्छित फल की प्राप्ति होगी। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंग। धार्मिक कार्य में समय व धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। शुभांक-2-4-7

प्रसंगतः प्रतिभा का सम्मान

एक राजा को चित्रकारी का बहुत शौक था। वह अपने राज्य के योग्य चित्रकारों को समय-समय पर सम्मानित भी करता रहता था। एक बार राजा ने एक चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन रखा और दूर-दूर से मशहूर चित्रकारों को आमंत्रित किया। अनेक चित्रकार निर्धारित स्थल पर पहुंचने लगे। राजा ने सभी चित्रकारों को यथोचित सम्मान व स्थान देकर उन्हें ठहराया। एक चित्रकार बेहद गरीब सा दिख रहा था। वह फटे-पुराने मगर स्वच्छ वस्त्र पहने था। राजा ने उसे एक नजर देखा, फिर अनदेखा कर दिया। नियत समय पर प्रतियोगिता आरंभ हो गई। निर्णय करते समय तीन श्रेष्ठ चित्रों को चुना गया। अंत में निर्णायकों द्वारा उन तीन में से सर्वश्रेष्ठ चित्र को पुरस्कार देने की घोषणा की गई। पुरस्कृत चित्र के चित्रकार का नाम पुकारे जाने पर वही गरीब चित्रकार मंच पर आया। उसे देखकर राजा ने पुरस्कार दिया और कुछ दिन के लिए राजमहल में ठहरने का निवेदन किया। कुछ दिन राजमहल में बिता कर जब चित्रकार लौटने लगा तो राजा ने उसे बहुमूल्य उपहार दिए और उससे बहुत ही विनम्रता से पेश आया। य

यूं लाएं रिश्तों में मधुरता

यह सही है कि पति-पत्नी के रिश्ते की नींव प्रेम व विश्वास पर आधारित होती है। फिर भी स्वभाव व व्यवहार संबंधी कुछ ऐसी बातें भी होती हैं, जिनसे युगलों के बीच कुछ समय के लिए खटास आ सकती है। इस संदर्भ में कुछ टिप्स पर अमल कर आप उनके साथ बिगड़ी हुई बात बना सकती हैं।

- कभी भी पति को लगातार बिन मांगी सलाह न दें। बार-बार इस तरह की सलाह देने से संभव है कि वह झल्ला जाएंगे। इसलिए जब वह किसी मुद्दे पर आपसे सलाह मांगें, तभी अपनी राय प्रकट करें या फिर उनका मूड अच्छा देखकर राय-मशविरा पेश करें।
- यदि आपको पति की कुछ आदतों या उनके स्वभाव से कुछ शिकायत है तो इस संदर्भ में उनकी आलोचना न करें। ऐसा करने से वह उत्तेजित व क्रोधित हो सकते हैं अन्यथा वह भी प्रतिक्रियावश आपके स्वभाव को बदलने के फेर में पड़ सकते हैं। हां कभी शांत-खुशनुमा मूड में उनके आचरण एवं व्यवहार के संदर्भ में उन्हें आप सुझाव दे सकती हैं।
- पति से अक्सर प्यार भरी बातें करें और समय-समय पर एक-दूसरे की कामयाबी पर बधाई देने से भी न चूकें। इससे अधिक मधुरता एवं निकटता बढ़ती है।
- जरूरत से ज्यादा खर्च न करें और न ही हमेशा विभिन्न उपहारों की फरमाइश करें, नहीं तो इससे भी मधुरता में खटास पैदा होती है।
- बच्चों एवं परिवार की समस्याओं को लेकर उलझे नहीं। एक-दूसरे की सलाह से ही इस समस्या का समाधान निकालें जिससे निकटता और प्रगाढ़ हो सकें।

सौंदर्य निखारने में सहायक मलाई

डाक्टरों का विचार है कि मलाई वाला दूध पीने से शरीर मोटा हो जाता है। वे ज्यादातर टोंड दूध पीने की सलाह देते हैं अर्थात क्रीम निकला दूध। क्या आप जानते हैं कि मलाई सौंदर्यवर्धक भी है। इसका दवाइयों व सौंदर्य प्रसाधनों के रूप में भी प्रयोग किया जाता है।

- एक चम्मच मलाई में नींबू का रस मिलाकर चेहरे पर तब तक मलें जब तक वह चेहरे में रम न जाए। इसके पश्चात इसे हल्के गुनगुने पानी से धो लें।
- एक चम्मच मलाई में एक चम्मच सेब का रस मिलाकर फैंटें। फिर हल्के हाथों से चेहरे पर रगड़ें। ऐसा लगातार करने से चेहरे पर निखार आएगा व रंग साफ होगा।
- मलाई में मूली का रस मिलाकर लगाने से भी रंग निखरता है।
- होंठों के फटने पर मलाई लगाने से वे नरम हो जाते हैं।
- थोड़ी-सी मलाई में एक चम्मच बेसन मिलाकर उबटन तैयार करें व स्नान करने से पहले शरीर पर लगाएं। त्वचा मुलायम हो जाएगी। इसे लगाने के पश्चात साबुन का प्रयोग न करें तो अच्छा रहेगा।
- मुल्तानी मिट्टी व मलाई का पेस्ट चेहरे व कोहनियों पर लगाएं। कोहनियों का कालापन दूर होगा।
- तीन-चार बादाम की गिरियां और दस-बारह देसी गुलाब की पत्तियां पीस कर मलाई में मिलाकर चेहरे पर लगाएं। इससे दाग-धब्बे व झुर्रियां दूर होंगी।
- संतरे, नींबू के छिलकों को सुखाकर पाऊडर बना लें व इसमें शहद, मलाई को मिलाकर पेस्ट तैयार करें व चेहरे पर मलें। रूखी त्वचा में जान आ जाएगी व झुर्रियों से मुक्ति मिल जाएगी।

परिधानों को आवश्यक है देख-रेख की

आज के महंगाई के युग में प्रतिदिन नए फेशन के अनुसार वस्त्र बनवाना तो कठिन है परन्तु जो भई वस्त्र बनावाएं उन्हें कुछ सोट-विचार कर बनावाएंताकि उनका उपयोग अधिक से अधिक कर सकें। कपड़ा भई ऐसा लें जो जल्दी खराब न होने वाला हो। उससे भी अधिक खराब न होने वाला हो। उससे भी अधिक ध्यान रखें उसके रख-रखाव का ।

परिधान बनावा कर उसकी देख-देख करना अति आवश्यक है जैसे हम स्वयं को खूबसूरत दिखाने के लिए अपने चेहरे और त्वचा की देख-देछ करते हैं वैसे ही कपड़ों की चमक और आयु बढ़ाने के लिए उनकी देख-रेख भी जरूरी है, नहीं तो परिधान पर खर्च किया पैसा व्यर्थ जाएगा और आप अवसर आने पर उसका उपयोग भी नहीं पाएंगे।

परिधान बनाने से पहले यह विचार कर लें कि आपको उक्त अवसर के लिए कैसा परिधान चाहिए। फिर उस पर विचार करें कि यह आगे फैशन में रहने वाला है या नाहीं। यदि आपको लगता है कि इसका फैशन अल्प समय रहेगा तो ऐसे कपड़े न बनवाएं। अपने शरीर की बनावट को भी ध्यान में रखें। आयु को भी ध्यान में रखते हुए वस्त्र पहनें।

शादी शुदा स्त्रियों को अधिक वैस्टर्न के वस्त्र समारोहों में उचित नहीं लगेंगे। युवतियों और किशोरियों को इस प्रकार के वस्त्र खूब फबते हैं।

कपड़ा खरीदने से पहले यह ज्ञात तक लें कि उस वस्त्र को हमेशा ड्राईक्लीन करवाना है या घर पर स्पैशल डिटजैंट में धोया जा सकता है। वस्त्र को उस समय ड्राईक्लीन करवाएं जब वास्तव में उसकी आवश्यकता हो।

एकाध बार पहन कर उसे मत धोएं या ड्राईक्लीन न करवाएं। सिकुड़ने वाले वस्त्रों को अच्छी प्रकार 'स्टार्च' करवा कर प्रैस करवाएं। इन कपड़ों को कम से धोने की कोशिश करें। ऐसे वस्त्र ड्राईक्लीन करवाएं। सफेद सूती परिधानों को ब्लीच कर उनकी चमक बरकार रख सकते हैं। सफेद कपड़ों पर हल्का नील देने से भी सफेदी अधिक समय तक बनी रहसकती है।

एक ही ड्रैस को बार-बार न पहनें। बदल-बदल कर पहनने से उसकी आयु बढ़ती है। कपड़े को आराम भी मिल जाता है। उसकी शेप और चमक भी बरकरार रहती है।

समारोह से लौटने पर कपड़ों को बदल लें। कुछ समय उसे हवा लगवाएं, पुन: उसे झाड़ कर प्रैस करवा कर हैंर में लटका दें जिससे पुन: उसका प्रयोग करते समय किसी समस्या का सामना न करना पड़े। वस्त्रों पर दाग-धब्बे लगने पर उसकी सफाई उन्हें संभालने से पूर्व अवश्य करें।

वस्त्रों को धाने पहले उनकी जेबें आदि खाली कर लें। प्रैस करने से पूर्व भी जेबों का निरीक्षण अवश्य करें। सूती वस्त्रों को औ पैंटों आदि पर ब्रश से थोड़ा रगड़ कर साफ कर सकती हैं। रेशमी और ऊनी वस्त्रों की धुलाई करते समय ब्रश का इस्तेमाल न करें। उन्हें अच्छे डिटजैंट में भिगोकर हल्के हाथों से रगड़ें।

गर्म वस्त्रों को संभालते समय 'नेप्थलीन' की गोलियां डालें। उससे गर्म वस्त्र में कीड़ा नहीं लगेगा। सिल्क की साड़ियों औ र सूटों को सफेद मलमल के कपड़ों में ऊनी कपड़ों से अलग रखें।

यदि परिधान कहीं से खुल जाए या बटन आदि टूट जाए तो उसकी मुरम्मत उसी समय कर लें नहीं तो अधिक मुसीबत का सामना करना पड़ सकता है। साड़ी की फाल खुलने पर उसे साफ करने से पहले सिल लें। इस प्रकार यदि आप कपड़ों की देखभाल ध्याननपूर्वक करेंगीतो कपड़े भी आपका अधिक समय तक साथ देगे।

खाकरा चाट

सामग्री : 2-3 खाकरा उबले व मसले हुए आलू, 1 कप उबले हुए मूंग-चना, 1/4 कप बूंदी, आधा टीस्पून लाल मिर्च पाउडर, आधा टीस्पून अमचूर, आधा टीस्पून काला व सादा नमक, आधा टीस्पून चाट मसाला, नींबू का रस, हरी व मीठी चटनी।

गार्निश के लिए : सेव, कटी हुई हरी धनिया व फेंटा हुआ दही।

विधि : खाकरा के टुकड़े कर लें। शेष सामग्री को एक साथ मिला लें। इसमें नींबू का रस मिलाएं और खाकरे पर डालें। दही व चटनी डालें। सेव व हरी धनिया से गार्निश करके सर्व करें।

हेल्थ प्लस

स्पॉन्डिलाइटिस कैसे पाएं निजात

क्या है स्पॉन्डिलाइटिस ?

स्पॉन्डिलाइटिस वस्तुत : आर्थराइटिस का ही एक रूप है। इसमें रीढ़ की हड्डियां बंद जाती हैं या उनके बीच की दूरी कम हो जाती है, जिससे बेहद दर्द और तकलीफ होती है। रीढ़ की हड्डी अनेक अस्थियों का समुच्चय होती है और इन अस्थियों का आकार बिगड़ने लगता है या फिर कह सकते हैं कि रीढ़ की हड्डियों की अस्थियां क्षय (डीजनरेट) होने लगती हैं, जिससे जॉइंट्स और लिगामेंट्स में जलन, दर्द व सूजन होती है। इसका मुख्य कारण है र्‌यूमेटॉइड आर्थराइटिस। इस रोग का पता क्लीनिकल एक्जामिनेशन, एक्स-रे, सीटी स्कैन, सीरोलॉजिकल टेस्ट आदि से चलता है। इसे एंकीलॉसिंग स्पॉन्डिलाइटिस भी कहा जाता है।

प्रकार

- रीढ़ की हड्डी के ऊपर वाले भाग में विकृति आने से जो तकलीफ होती है उसे सरवाइकल स्पॉन्डिलाटिस कहते हैं।
- कमर की कशेरूकाओं के दबाव से जो तकलीफ होती है, उसे लंबर स्पॉन्डिलाइटिस कहते हैं।
- साइटिका नर्व के दबाव से साइटिका होता है।
- स्पंज अपनी जगह से सरक जाए तो स्लिप डिस्क होता है। इसमें सबसे ज्यादा आम है सरवाइकल स्पॉन्डिलाइटिस।

सरवाइकल स्पॉन्डिलाइटिस

यह ज्यादातर पुरूषों को होता है। इसकी शुरूआत पीठदर्द से होती है और धीरे-धीरे जोड़ों तक पहुचने लगती है। इसका पता एक्स-रे में बम्बू स्पाइन दिखने से चलता है। इसका इलाज विभिन्न दर्द निवारक तरीकों (पेन मैनेजमेंट) द्वारा किया जाता है। इससे गर्दन व कंधे अधिक प्रभावित होते हैं।

किन लोगों को होता है सरवाइकल स्पॉन्डिलाइटिस ?

यह 40 साल से ज्यादा उम्रवालों को होता है और उम्र के साथ बढ़ता जाता है। 65 साल से ज्यादा उम्र के करीब दो तिहाई लोगों में कैल्शियम की कमी या लो डेनिसिटी की समस्या होती है, उन्हें भी यह बीमारी होने का खतरा होता है। रीढ़ की हड्डी के गर्दन वाले हिस्से की अस्थि में विकृति आ जाने से गले की नसें व नाडियां दबने लगती हैं। इसे ही सरवाइकल स्पॉन्डिलाइटिस कहा जाता है। इसे सरवाइकल ऑस्टियो आथराइटिस भी कहते हैं।

लक्षण

- इस बीमारी की शुरूआती अवस्छा में सिर, गर्दन, कन्धे और हाथ में दर्द, जकड़न होती है, फिर धीरे-धीरे बुखार, थकान, कमजोरी व सुन्नता आने लगती है।
- जब यह बीमारी ज्यादा बढ़ जाती है तो आंखों का रोग, लड़खड़ाना, सांस की समस्या व खाना निगलने में परेशानी आदि समस्याएं हो सकती हैं।
- गर्दन व सिर हिलाने पर दर्द होता है। रूटीन के कार्य करने में तकलीफ होने लगती है।
- हिलने-डुलने में तकलीफ होती है।
- कुछ मामलों में हार्ट व लंग्स की समस्या भी देखी गई है।

स्पॉन्डिलाइटिस के कारण

- बैठने-उठने के गलते तरीके।
- लंबे समय तक सिर झुकाकर काम करना।
- गलत ढंग से लेटना या सिर के नीचे मोटा तकिया लगाना।
- ऐसा कोई काम करना, जिससे रीढ़ की हड्डी पर दबाव पड़ता है तो उससे रीढ़ की हड्डी में लोच खत्म होने लगता है और उसमें विकार आ जाता है।
- भारी वजन उठाना।
- मोटापे व बुढ़ापे में डीजनरेशन यानी अस्थियों का क्षय होने से भी यह हो जाता हैं। उम्र के साथ शरीर का हड्डियां घिसने लगती हैं और कमजोर हो जाती हैं।
- इफेंक्शन व तनाव से भी यह बीमारी होती है। तनाव के कारण कॉन्सनट्रेशन पर असर पड़ता है, मन व मस्तिष्क की शक्ति कम हो जाती है, जिससे रीढ़ की हड्डी की कोशिका पर नियंत्रण नहीं रह जाता है।
- कभी-कभी छोटी-मोटी दुर्घटना या चोट लगने से भी रीढ़ की हड्डी को चोट पहुंच जाती है।

स्पॉन्डिलाइटिस किसी भी प्रकार का क्यों न हो, तकलीफदेय ही होता है। इसलिए इससे बचाव के प्रयोग करें।

बचाव के उपाय

- सोते समय पतला तकिया लगाएं। सख्त तख्त पर सोएं। सोने के लिए मोटा गद्दा इस्तेमाल न करें।
- लेटकर किताबें न पढ़ें।
- काम करते समय गर्दन को ज्यादा न झुकाएं।
- पीठ को झुकाकर न बैठें। सीधे बैठें व सीधे चलें।
- ज्यादा समय तक एक ही पैर पर या एक ही पोजीशन में न खड़े रहें।
- यदि कमर में दर्द हो तो कमर में पट्टा बांधकर काम करें, पर कमर को झुकाकर काम न करें।

इलाज

- र्‌मेटॉइड आर्थराइटिस के लिए जो इलाज होता है, वही इस बीमारी में भी होता है। साथ में कुछ और दवाइयां दी जाती हैं।
- बैक मस्ल्स को मजबूत बनाने के लिए कुछ एक्सरसाइज करवाई जाती हैं।
- सर्जिकल या एक निश्चित समयांतराल में (इंटरवेंशनल) पेन मैनेजमेंट।
- एलोपैथी से अधिक आयुर्वेद में इसका इलाज है। महानारायण तेल या पंचगुण तेल से गर्दन पर धीरे-धीरे मालिश करें। फिर सिंकाई करें।
- एलोपैथी में फिजियोथेरेपी द्वारा इसका इलाज किया जाता है, साथ ही दवाएं दी जाती हैं।
- मरीज के गले में एक तरह की कॉलर जिसे सरवाइकल कॉलर कहते हैं। लगाई जाती है। इससे गर्दन का मूवमेंट कम होता है और दर्द में आराम मिलता है।
- तकलीफ बढ़ जाए तो ऑपरेशन ही एकमात्र उपाय रहता है।

सरवाइकल स्पॉन्डिलाइटिस के लिए एक्सरसाइज

- सीधे खड़े होकर गर्दन को 10 बार धीरे-धीरे दाएं से बाएं और 10 बार बाएं से दाएं घुमाएं।
- गर्दन को नीचे-ऊपर करें। ध्यान रहे गर्दन पर झटका न लगे।
- कान से कंधे को स्पर्श करें (दोनों तरफ)।
- कंधों को धीरे-धीरे ऊपर उठाएं तथा नीचे गिराएं।
- दोनों कंधों को आगे-पीछे गोलाई में घुमाएं।
- दोनों हाथों को पूरा खोल कर हवा में स्विमिंग करें जैसे पानी में तैर रहे हों। इस क्रिया को पीछे की तरफ भी करें।
- गर्दन के मणकों की विशेषज्ञ द्वारा मसाज कराएं।
- गर्दन के निचले भाग पर पीठ की तरफ दो बिंदु होते हैं, उनका अंगूठों द्वारा विशेषज्ञ से मसाज कराएं।

स्पॉन्डिलाइटिस का कोई इलाज नहीं है। हां, मेडिकल साइंस में इससे हुई तकलीफ को कम करने के उपाय जरूर हैं, इसलिए बेहतर होगा कि पूरी सावधानी बरती जाए, ताकि रोग की संभावना ही न हों।

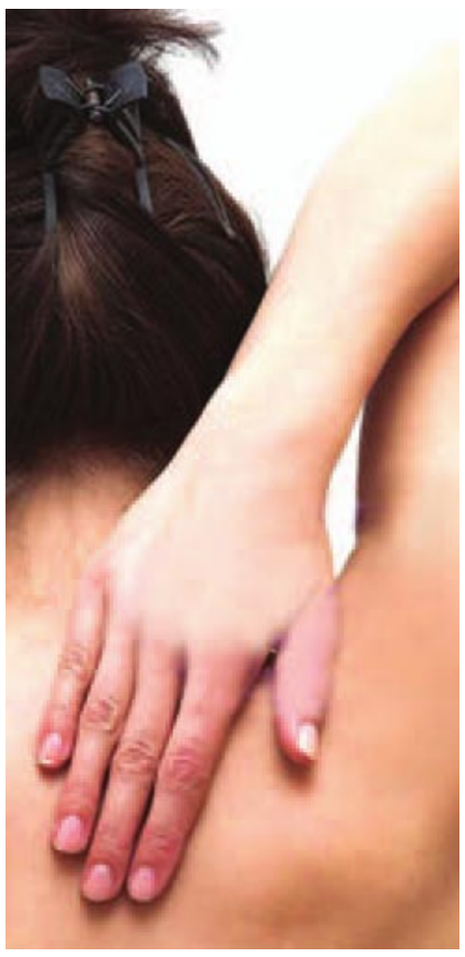

बेहतर सेहत के लिए

अच्छी सेहत और बेहतर दिनचर्या के लिए हैल्दी डाइट बेहद जरूरी है। संतुलित भोजन बीमारियों से लड़ने की क्षमता बढ़ाता है और दिल व दिमाग दुरूस्त रखता है। डाइट में पोषक तत्वों की कमी होने पर थकान, सिरदर्द, आंखों की रोशनी और हड्डियों में कमजोरी आना जैसी कई प्रॉब्लम्स सामने आती हैं

महिलाएं दें ध्यान

खास तौर से महिलाओं को हैल्दी डाइट या समय पर खाना न खाने की आदत से कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है। एनीमिया, अनियमित मासिक धर्म, बाल, नाखूनों और त्वचा संबंधी शिकायतें उनमें देखने को मिलती हैं। यदि खाने में कार्बोहाइड्रेट की मात्रा कम है, तो इससे कीटोसिस नामक समस्या हो जाती है, जिसका असर किडनी पर पड़ता है। कार्बोहाइड्रेट दिमाग और शरीर के लिए ऊर्जा का मुख्य स्रोत होता है। आवश्यकता से कम कार्बोहाइड्रेट लेने से कई तरह की शारीरिक और मानसिक समस्याएं होती हैं। खाना खाते समय ध्यान रखना जरूरी है कि आपको कितनी कैलोरी की आवश्यकता है।

दूध करें शामिल

दूध प्रत्येक आयु वर्ग के लोगों के लिए रोजाना पीना बेहद फायदेमंद है। इसमें पोषक तत्व जैसे कैल्शियम, विटामिन ए, डी, फॉस्फोरस, विटामिन बी12, प्रोटीन, पोटेशियम, जिंक और मैग्नीशियम की अधिकता होती है। यह हड्डियों की मजबूती के लिहाज से बेहतर होता है। गर्भवती महिलाओं के लिए दूध काफी लाभकारी होता है, क्योंकि इसमें पोषक तत्वों की पर्याप्त मात्रा होती है। उम्र बढ़ने के साथ लोगों की भूख कम होती है, ऐसे में दूध पीना बेहतरीन विकल्प साबित हो सकता है।

फैट भी जरूरी

शरीर की कोशिकाओं को मजबूत करने, हॉर्मोन सीक्रेशन, ऊर्जा प्रदान करने और अंगों की रक्षा करने के लिहाज से वसा यानी फैट भी लाभदायक होता है। शरीर को फैट की आवश्यकता कम मात्रा में होती है। डाइट में फैट की जरूरत इसलिए होती है ताकि जरूरी हॉर्मोन बन सकें और फैट में घुलनशील विटामिनों का अवशोषण हो सके।

कैलोरी करें निश्चित

प्रत्येक व्यक्ति को शरीर, उम्र, लिंग के आधार पर अलग-अलग कैलोरी की आवश्यकता होती है। 20 से 30 वर्ष की उम्र तक सबसे ज्यादा कैलोरी की आवश्यकता होती है। जहां 25 वर्ष के एक व्यक्ति को 2300 कैलोरी प्रतिदिन जरूरी होती है, वहीं उम्र बढ़ने के साथ यह मात्रा कम होती जाती है। विशेषज्ञों की मानें, तो 25 वर्ष के बाद प्रत्येक दस वर्ष में कैलोरी ग्रहण करने की क्षमता में 2 प्रतिशत की कमी आ जाती है। जहां तक लिंग के आधार पर कैलोरी ग्रहण करने की क्षमता की बात है, तो महिलाओं को पुरूषों की अपेक्षा कम कैलोरी की आवश्यकता होती है।

डिनर पर करें कंट्रोल

डिनर के समय शरीर को कम कैलोरी की आवश्यकता होती है। यदि आप रात को देर से डिनर कर रहे हैं, तो खाने से पहले थोड़े स्नैक्स लें, जिससे आपको भूख कम लगेगी।

एक्सरसाइज टिप्स

- शरीर की फिटनेस को बनाए रखने में एक्सरसाइज की भूमिका भी काफी खास है।
- व्यायाम की शुरूआत धीरे-धीरे करें। फिर इसकी अवधि को बढ़ाएं।
- इस दौरान आरामदायक जूते और कपड़े पहनें।
- टहलने के पहले और बाद में एक ग्लास पानी जरूर पिएं।
- शरीर में पानी की मात्रा कम न होने दें। इच्छानुसार नींबू पानी, नारियल पानी आदि भी ले सकते हैं।
- यदि आपको कोई गंभीर रोग या ह्रदय संबंधी बीमारी हो, तो डॉक्टरी सलाह लें।

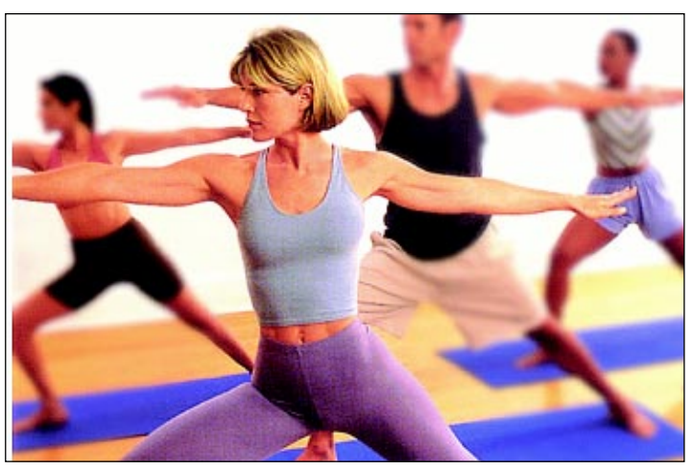

रामनवमी पर 'आदिपुरुष' का नया पोस्टर जारी करने के बाद राम मंदिर पहुंचे ओम राउत

मुंबई।

बाहुबली' फेम प्रभास ने एक बार फिर से पर्दे पर धमाल मचाने के लिए तैयार हैं। प्रभास इन दिनों अपनी आगामी फिल्म आदिपुरुष को लेकर लगातार चर्चा में हैं। आज रामनवमी के इस पावन मौके पर 'आदिपुरुष' का नया पोस्टर रिलीज किया है। पोस्टर रिलीज के बाद निर्देशक ओम राउत मुंबई के पवित्र राम मंदिर पर पहुंचे माथा टेकने पहुंचे, जिसकी तस्वीरें सामने आई हैं। आदिपुरुष के शानदार पोस्टर को सुबह लॉन्च करने के बाद, निर्देशक ओम राउत ने मुंबई में राम मंदिर में विशेष पूजा अर्चना की। अपनी मां नीना राउत के साथ बचपन से ही रामनवमी के अवसर पर राम मंदिर जाने की परंपरा का पालन करते हुए, निर्देशक ओम राउत ने इस साल भी प्रभु श्रीराम का आशीर्वाद लिया। ओप प्रभु श्रीराम के दर्शन करने मुंबई के राम मंदिर पहुंचे। आप को बता दें कि उनकी आगामी फिल्म 'आदिपुरुष' जो प्रभु श्रीराम के दिव्य गुणों को दर्शाता है और भारतीय संस्कृति को पुनर्जीवित करता है।

आपको बता दें कि आज यानी 30 मार्च की सुबह प्रभास ने अपने इंस्टाग्राम पर अपनी मोस्ट अवेटेड फिल्म 'आदिपुरुष' का नया पोस्टर रिलीज किया है। नए पोस्ट के साथ ही प्रभास ने 'आदिपुरुष' की रिलीज डेट का भी ऐलान कर दिया है। इस नए पोस्टर में प्रभास भगवान राम के रूप में नजर आ रहे हैं।

संदीपा धार ने अपनी अगली फिल्म की तैयारी शुरू की, जल्द ही दिल्ली में करेंगी शूट शुरू

मुंबई।

संदीपा धार ने इंस्टाग्राम स्टोरी के साथ अपने अगले प्रोजेक्ट की तैयारी की घोषणा की। अभिनेत्री ने हाल ही में शूटिंग के लिए दिल्ली के लिए उड़ान भरी और सोशल मीडिया पोस्ट के ज़रिये, अपने नवीनतम शो की उत्सुकता को और बढ़ाते हुए नज़र आई। हाल के दिनों में अभय, मुमभाई, बिसात, माई और डॉ. अरोड़ा सहित विभिन्न शो में अपने विविध किरदारों से दर्शकों को प्रभावित करते हुए, संदीपा धार लगातार प्रभावशाली प्रदर्शन कर रही हैं। संदीपा अपने अगले शो की शूटिंग शुरू करने के लिए पहले ही दिल्ली पहुंच चुकी हैं, हालाँकि शो के बारे में अभी जानकारी नहीं दी गई है। एक सूत्र ने खुलासा किया, संदीपा सोमवार, 27 मार्च को दिल्ली आ चुकी हैं और 1 अप्रैल से शो की शूटिंग शुरू करेंगी। वर्तमान में वह स्क्रिप्ट रीडिंग सेशंस, फिटिंग और ट्रायल्स आदि के साथ भूमिका की तैयारी कर रही है। संदीपा एक अभिनेत्री होने के साथ-साथ एक प्रशिक्षित डांसर भी हैं। अंतर्राष्ट्रीय म्यूज़िकल वेस्ट साइड स्टोरी का नेतृत्व करने वाली, संदीपा धर शो में एकमात्र भारतीय कलाकार थीं। अभिनेत्री ने हीरोपंती, दबंग 2 और कागज़ जैसी फिल्मों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई

बनियान पहनकर ही एयरपोर्ट पहुंच गए बॉबी देओल, लोग बोले- 'बाबा हैं कुछ भी कर सकते हैं'

मुंबई।

एक्टर बॉबी देओल की वेब सीरीज आश्रम ने लोगों का खूब मनोरंजन किया। लोगों को सीरीज खूब पंसद आई। अब लोग इसके अगले पार्ट का इंतजार कर रहे हैं। 'आश्रम' में बॉबी देओल के जबरदस्त परफॉर्मेंस की सबने तारीफ की है। लंबे समय बाद लोग इस वेब सीरीज में बॉबी देओल की एक्टिग देख लोग गदगद हो गए। अब एक्टर फिल्म 'एनिमल' में नजर आएंगे। इस बीच एक्टर को एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया। हमेशा की तरह एक्टर फिट फाट नजर आए। उनकी बॉडी को देखकर सबकी आंखें खुली रह गईं। हालांकि उनका लुक देख चौक गए। वो बनियान पहने हुए एयरपोर्ट पर नजर आ रहे हैं। अब उनका ये वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

हाल ही में बॉबी देओल को एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया। 54 साल की उम्र में भी उनकी फिजीक ने सबको हैरान कर दिया। इस दौरान उनके कपड़ों ने भी सबको हैरानी में डाल दिया।

वीडियो में वह मुंबई एयरपोर्ट के बाहर दिखाई दे रहे हैं। कार से उतरते वक्त बॉबी देओल शर्टलेस नजर आ रहे हैं। उन्होंने सैंडो बनियान के साथ कारगो पैंट पहना था। बॉबी देओल बनियान पहनकर जैसे ही अपनी गाड़ी से उतरे सबकी निगाहें बस उन पर ही ठहर गईं। 54 की उम्र में उनका इस तरह का फिजीक देख लोगों को हैरानी हुई।

भोला' की अच्छी शुरुआत, अजय देवगन की फिल्म ने पहले दिन कमा डाले इतने करोड़

मुंबई।

अजय देवगन की 'भोला' के पहले दिन का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन आ गया है।भोला 30 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है।फिल्म में अजय देवगन के एक्शन और तब्बू की एक्टिग की दर्शक काफी तारीफ भी कर रहे हैं।फिल्म 'भोला' की एडवांस बुकिंग को लेकर भी काफी चर्चा थी। ऐसे में इस फिल्म के पहले दिन का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन सामने आ गया है. जिसमें बताया जा रहा है कि एक बार फिर से अजय देवगन और तब्बू की जोड़ी ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया है। फिल्म भोला ने अपने पहले दिन 11.50 करोड़ रुपये की ओपनिंग की है. हालांकि यह फिल्म के अनुमानित आंकड़े हैं, लेकिन अजय देवगन की इस फिल्म ने शानदार शुरुआत की है। इससे साबित होता है कि फिल्म आने वाले दिनों में अच्छी कमाई करने वाली है। बता दें कि फिल्म 'भोला' साउथ सिनेमा की सुपरहिट फिल्म कैथी का हिंदी रीमेक है. कैथी को लोकेश कनगराज जैसे अनुभवी और अपने काम में माहिर डायरेक्टर ने बनाया।

काजल अग्रवाल ने हिंदी सिनेमा में बताई एथिक्स और वैल्यू की कमी

20

काजल अग्रवाल ने हिंदी, तेलुगू और तमिल फिल्म इंडस्ट्री में अपनी दमदार एक्टिग से खास पहचान बना ली है। एक्ट्रेस ने फिल्म 'क्यों! हो गया ना ङ्घ' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इसके बाद उन्होने कुछ और हिंदी फिल्मों के साथ कई तेलुगू और तमिल फिल्में कीं।

साउथ इंडस्ट्री में होता है घर जैसा एहसास

न्यूज 18 के एक शो में काजल से पूछा गया था कि जब उन्होंने फिर से काम करना शुरू करने का फैसला किया तो उन्होंने किस दिशा में देखा। इस पर एक्ट्रेस ने कहा, 'मैं बॉम्बे गर्ल हूं यहीं पैदा हुई और पली-बढ़ी. मैंने हैदराबाद (तेलुगू) फिल्म इंडस्ट्री में अपना करियर शुरू किया और मेरे काम की मेन बॉडी तमिल और तेलुगू फिल्में हैं। मैंने कुछ हिंदी फिल्में की हैं लेकिन मेरे लिए घर जैसा अहसास हैदराबाद और चेन्नई है और यह कभी नहीं जाएगा।

साउथ बहुत फ्रेंडली इंडस्ट्री है

एक्ट्रेस से ये भी पूछा गया कि क्या साउथ इंडस्ट्री ज्यादा एक्सेप्ट कर रहा है. इस पर काजल ने जवाब दिया, साउथ इंडस्ट्री यकीनन बहुत स्वीकार कर रहा है लेकिन मुझे लगता है कि कोई छूट नहीं है या कड़ी मेहनत का कोई शॉर्टकट नहीं है और सफलता का कोई आसान तरीका नहीं है। काजल ने यह भी बताया कि क्या टर्म्स ऑफ अप्रोच के मामले में दोनों इंडस्ट्री में कोई अंतर है. इस पर उन्होंने कहा, ऐसे बहुत से लोग हैं जो हिंदी में अपना करियर शुरू करना चाहते हैं क्योंकि ये ज्यादा नेशनवाइड मान्यता प्राप्त भाषा है. काजल ने आगे कहा, हां साउथ बहुत फ्रेंडली इंडस्ट्री है, यह बहुत स्वीकार्य है। साउथ में शानदार टेकनीशियन हैं अमेजिंग डायरेक्टर और फिनोमल कंटेंट है जो सभी चार भाषाओं तेलुगु, तमिल, मलयालम और कन्नड़ में जनरेट होता है।